हिन्दी समाचार पत्र दौसा और जयपुर से प्रकाशित

राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

आपकी आवाज के साथ....

RAJHIN/2012/43137

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | गुरुवार, 13 मार्च, 2025 | वर्ष : 2 | अंक : 128 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00 रु.

12 वर्षों से लगातार प्रकाशित

हिन्दी समाचार पत्र

राजस्थान की राजनीति

सभी देश-प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों को

होलिका दहन एवं रंगोत्सव

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

Jio Fiber Jio tv+ चैनल नं. 2008

Happy Holi

coming soon airtel Xstream | TATA SKY

1st Floor, 18K3, Pankaj Singhvi Marg, Near Raj. Vidhan Sabha, Jyoti Nagar, Jaipur (Raj.)

www.rajasthankirajneeti.com • www.tasneemtv.com • www.tniawaaz.in

tasneemtv.official@gmail.com • editor.tniawaaz@gmail.com

GET IT ON Google Play YouTube / tni awaaz

7 .5 लाख कर्मचारियों के भत्ते बढ़ेंगे

मध्यप्रदेश का बजट पेश : किसानों को दूध पर बोनस, युवाओं को 3 लाख रोजगार ; लाड़ली बहनों को तीन योजनाओं से जोड़ा

भोपाल। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का

बजट पेश किया। देवड़ा ने एक घंटे 32 मिनट बजट भाषण पढ़ा। सरकार ने कोई नया टैक्स नहीं लगाया, लेकिन पुराने टैक्स कम भी नहीं किए। चुनाव में गेमचेंजर साबित हुई लाड़ली बहना योजना का बजट घटाकर 18,669 करोड़ कर दिया। पिछले बजट में ये 18,984 करोड़ था। हालांकि, उनको अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना से जोड़ने का ऐलान किया है। बजट में युवाओं के लिए सबसे बड़ा ऐलान निजी क्षेत्र में 3 लाख रोजगार का किया गया है। ये रोजगार नए विकसित हो रहे 39 औद्योगिक क्षेत्रों में मिलेंगे। छात्रों के लिए पहले से चल रही लैपटॉप योजना के लिए 220 करोड़ और साइकिल के लिए 215 करोड़ का

प्रावधान किया है। प्रदेश के साढ़े सात लाख सरकारी कर्मचारियों के भत्तों के पुनरीक्षण का ऐलान कर बड़ी राहत दी है। ये बदलाव 13 साल बाद हो रहा है, जिसमें सभी भत्ते 7वें वेतनमान के आधार पर दिए जाएंगे। वित्त मंत्री ने बजट में 11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल खोले जाने की घोषणा भी की गई है। उज्जैन सिंहस्थ के लिए 2000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री ने गाय और गोपालक का ध्यान रखा है। सरकार दूध उत्पादक किसानों को प्रति लीटर 5 रुपए बोनस देगी। गोशालाओं में गायों के आहार के लिए सहायता प्रति गाय 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रतिदिन की है।

जीरो वेस्ट बेस्ड प्रक्रिया से तय किया बजट -देवड़ा ने बजट भाषण की शुरुआत कविता से की। उन्होंने कहा- यही जुनून, यही एक ख्वाब मेरा है, वहां चिराग जला दूं जहां अंधेरा है... जनता व जनप्रतिनिधियों की बेशुमार फरमाइशें हैं, कर सकें हम सब पूरी, ये हमारी कोशिशें हैं। उन्होंने बताया- हमने 2025-26 का बजट जीरो वेस्ट बेस्ड प्रक्रिया से तय किया है। सरकार का लक्ष्य है विकसित मध्यप्रदेश। इसका अर्थ है कि जनता का जीवन खुशहाल हो। महिलाओं को आत्मगौरव मिले। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी बजट भाषण सुनने के लिए विधानसभा में मौजूद रहे।

हर वर्ग के विकास और विश्वास का बजट। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए हमारी सरकार ने भी विकसित मध्यप्रदेश 2047 का विजन रखा है। प्रदेश का यह बजट उस संकल्प को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

भाजपा सरकार ने मध्यप्रदेश की जनता को फिर से एक छलावा भरा बजट दिया है। इस बजट में विकास की कोई ठोस योजना नहीं है, बल्कि इसे कर्ज बढ़ाने, कमीशनखोरी को संस्थागत करने और भ्रष्टाचार को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया है। यह बजट भाजपा सरकार की असफलताओं और जनविरोधी नीतियों की पोल खोलता है।

जीतू पटवारी-कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष, मप्र

डिजिटल अरेस्ट मामलों में 83668 वॉट्सऐप अकाउंट बंद

गृह मंत्रालय ने जानकारी दी ; 13 .36 लाख+ शिकायतों से 4386 करोड़ का नुकसान बचा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर (IyC) ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में शामिल 3962 से ज्यादा स्काइप आईडी और 83,668 वॉट्सऐप अकाउंट्स की पहचान करके ब्लॉक कर दिया है। IyC साइबर अपराधों पर निगरानी के लिए गृह मंत्रालय स्पेशल विंग है। गृह राज्य मंत्री संजय बंदी कुमार ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) सांसद तिरुचि शिवा के सवाल सर यह लिखित जानकारी दी। उन्होंने बताया- साइबर अपराधियों ने इन अकाउंट्स का इस्तेमाल ED, CBI जैसी एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की थी। इसके अलावा 28 फरवरी, 2025 तक 7.81 लाख से ज्यादा सिम कार्ड और 2.08 लाख से ज्यादा IMEI नंबर ब्लॉक किए गए हैं। वहीं, 13.36 लाख से ज्यादा शिकायतों के आधार पर 4386 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान से बचा जा सका है।

स्पूफ कॉल की पहचान के लिए सिस्टम तैयार गृह राज्य मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार और टेलिकॉम सर्विस प्रोवाइडर (TSP) ने इंटरनेशनल स्पूफ कॉल

की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एक सिस्टम तैयार किया है। ऐसी कॉल्स आने पर मोबाइल डिस्प्ले में भारत का नंबर होता है जबकि कॉल कहीं विदेश से आ रही होती है। TSP को ऐसी कॉल्स को ब्लॉक करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा साइबर अपराध की शिकायत के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 चालू किया गया है। जागरूकता बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में जागरूकता कॉलर ट्यून प्रसारित की जा रही है। 10 साल में 4.69 लाख करोड़ रुपए का नुकसान रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 2023 के दौरान देश में 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी हुई। वहीं, पिछले 10 सालों में बैंकों ने साइबर धोखाधड़ी के 65,017 मामलों की सूचना दी। जिसमें कुल 4.69 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।

अनजान वीडियो कॉल रिसीव न करें, सावधानी बरतें साइबर एक्सपर्ट का मानना है कि साइबर क्राइम में वॉट्सऐप का इस्तेमाल इन दिनों बढ़ गया है। सोशल मीडिया ऐप और वॉट्सऐप पर हमें सतर्क रहना चाहिए और अनजान वीडियो कॉल रिसीव नहीं करने चाहिए। फेसबुक, इंस्टाग्राम प्रोफाइल प्राइवेट रखें। अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करें। अधिकतर मामलों में साइबर ठग वारदात से पहले इन्हीं सोशल साइट से लोगों के संबंध में जानकारी जुटाते हैं।

दौसा-बांदीकुई को यूआईटी की सौगात, सीएम ने की घोषणा

बांदीकुई को मिला PWD का XEN ऑफिस, सड़कों का भी होगा विस्तार

दौसा. विधानसभा में विनियोग और वित्त विधेयक पर बहस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। बजट बहस पर रिप्लाई के दौरान सीएम ने दौसा-बांदीकुई में नगर विकास न्यास (यूआईटी) बनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही दौसा जिले को कई सौगातें भी दी।

महवा के खोहरामुल्ला और मातासूला के बीच 220 केवी बिजली जीएसएस-जयपुर-आगरा हाईवे पर 5 जगहों पर बड़े वाहन चालकों की सुविधा एवं

विश्राम स्थलों का निर्माण और नेत्र जांच समेत मेडिकल सुविधा

लालसोट व रामगढ़ पचवारा में नाला निर्माण, सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण संबंधी कार्य- दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर पर लॉजिस्टिक हब के विकास को सुनिश्चित करने के लिए दौसा-बांदीकुई नगर विकास न्यास लालसोट के शिवसिंहपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोनयन बांदीकुई में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) कार्यालय खुलेगा।

भारत में बिना वैध पासपोर्ट घुसने पर 5 साल जेल

लोकसभा में इमिग्रेशन बिल पेश ; जो विदेशी भारत के लिए खतरा, उसे एंट्री नहीं

नई दिल्ली। भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की आवाजाही प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिए केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में इमिग्रेशन और विदेशी विधेयक-2025 पेश किया। इस बिल के मुताबिक यदि कोई गैर कानूनी तरीके से किसी विदेशी को देश में लाता, ठहराता या बसाता है, तो उसे 3 साल जेल या 2 से 5 लाख रुपए का जुर्माना या फिर दोनों की सजा हो सकती है। भारत में आने के लिए किसी भी विदेशी के पास वैध पासपोर्ट और वीजा होना अनिवार्य होगा। विपक्ष ने लोकसभा में इस बिल का विरोध किया। प्रस्तावित कानून के तहत विदेशी नागरिकों को विभिन्न अधिनियमों के तहत सजा दी जा सकती है- पासपोर्ट एक्ट, 1920 विदेशी पंजीकरण एक्ट, 1939 फॉरेनर्स एक्ट, 1946 इमिग्रेशन एक्ट, 2000

विदेशी को भारत आने से

रोक सकती है सरकार -यदि कोई शिक्षण या मेडिकल संस्थान, अस्पताल या निजी आवास के मालिक किसी विदेशी नागरिक को रखते हैं तो उन्हें पहले इसकी सूचना सरकार को देनी होगी। कोई भी विदेशी किसी भी संस्थान में दाखिला लेता है तो उसे एक फॉर्मेट में अपनी जानकारी भरकर पंजीकरण अधिकारी को देनी होगी। इस कानून का मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा तय करना है। साथ ही भारत में आने-जाने और रहने से जुड़े नियमों को सख्त बनाना है। इसके तहत अगर सरकार को किसी विदेशी नागरिक से खतरा महसूस होता है, तो सरकार उस विदेशी नागरिक को भारत आने से रोक सकती है।

देश की उन्नति सरकार की जिम्मेदारी -लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बिल पेश करते हुए कहा, देश की उन्नति, प्रभुता और शांति सरकार की जिम्मेदारी है। ये बिल हम किसी को रोकने के लिए नहीं ला रहे हैं, ज्यादा से ज्यादा लोग यहां पर आएं, लेकिन हमारे देश का जो कानून है उसका पालन जरूर करें। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर कोई शख्स बिना परमिट के भारत में घुसता है, अवैध रूप से ज्यादा समय तक ठहरता है या जाली दस्तावेज इस्तेमाल करता है, तो उसे सख्त सजा मिलेगी। जो भी विदेशी भारत आएंगे, उन्हें अराइवल पर रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। इसके अलावा, नाम बदलने, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने और संरक्षित इलाकों में घूमने पर भी पाबंदियां लगाई जाएंगी।

ममता बोलीं- लोकतंत्र परमानेंट है, कुर्सी नहीं

सुवेंदु को समझाइश दी, उन्होंने कहा था- सत्ता में आए तो मुस्लिम विधायकों को बाहर फेंकेंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को विधानसभा में भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा- लोकतंत्र स्थायी है, कुर्सी नहीं। इसका सम्मान करें। दरअसल, सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा था कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से बाहर फेंक देंगे। इसके जवाब में

ममता ने कहा- आप मुस्लिम विधायकों को बाहर निकालने के बारे में कैसे सोच सकते हैं। आप मुसलमानों को निशाना बना रहे हैं, क्योंकि यह रमजान का महीना है। सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापारिक घाटे से हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

सुवेंदु बोले- चोर ममता हटाओ सुवेंदु ने TMC को हिंदू विरोधी बताते हुए कहा था कि हिंदू हितों के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं करूंगा। अगर एक सुवेंदु मर जाता है, तो एक करोड़ सुवेंदु पैदा होंगे। ममता हटाओ, चोर ममता हटाओ। इससे पहले सुवेंदु ने 2024 में कहा था कि भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए। पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने कहा था कि सबका साथ, सबका विकास कहना बंद करो। अब हम कहेंगे जो हमारे साथ, हम उनके साथ... सुवेंदु बोले, हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। हालांकि, कुछ घंटे बाद सुवेंदु ने बयान पर सफाई भी दी थी। उन्होंने कहा, यह नारा प्रधानमंत्री ने दिया था और यह अभी भी कायम है।

पिता के बाद अब उदयनिधि बोले- जल्द बच्चे पैदा करें

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बाद अब उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन ने राज्य के लोगों से जल्द से जल्द बच्चे पैदा करने की अपील की है। साथ ही बच्चों के नाम तमिल में रखने को कहा है। उदयनिधि ने कहा- हमने राज्य की जनसंख्या नियंत्रित की लेकिन अब हमें इससे समस्या हो रही है। मैं नए शादीशुदा जोड़ों से अनुरोध करता हूं कि वे जल्द से जल्द बच्चे पैदा करें। अगर परिसीमन होता है तो हम लोकसभा में आठ सीटें खो देंगे जबकि उत्तरी राज्यों को 100 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। चेन्नई के एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद उदयनिधि यह बात कही।

इससे पहले एमके स्टालिन भी इसी तरह का बयान दे चुके हैं। वे 3 मार्च को नागपट्टिनम जिले के पार्टी सेक्रेटरी की वेडिंग एनिवर्सरी में शामिल होने पहुंचे थे। वहां स्टालिन ने कहा था कि पहले हम कहते थे, आराम से बच्चे पैदा करो, लेकिन अब हालात बदल गए हैं, इसलिए तुरंत बच्चे पैदा करने की जरूरत है।

संभल की जामा मस्जिद में रंगाई-पुताई होगी

हाईकोर्ट ने कहा- सिर्फ बाहरी दीवारों पर रंग-रोगन करें, ढांचे को नुकसान न हो

प्रयागराज। संभल की जामा मस्जिद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रंगाई-पुताई की मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने कहा- मस्जिद कमेटी मस्जिद की बाहरी दीवारों में ही रंगाई-पुताई करवा सकती है। रमजान के दौरान मस्जिद में लाइटिंग भी करवा सकती है, लेकिन इस दौरान ढांचे को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने बुधवार को यह आदेश सुनाया। 25 फरवरी को जामा मस्जिद कमेटी के वकील जाहिर असगर ने मस्जिद की रंगाई-पुताई के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कहा था- हम लोग हर साल रमजान से पहले मस्जिद की रंगाई-पुताई करते हैं, लेकिन इस बार प्रशासन अनुमति नहीं दे रहा है। हिंदू पक्ष रंगाई-पुताई का विरोध कर रहा

था। उनका कहना था- रंगाई-पुताई से मंदिर के साक्ष्य मिटाए जा सकते हैं, इसलिए परमिशन न दी जाए। 27 फरवरी को हाईकोर्ट में पहली बार इस मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने 3 सदस्यीय कमेटी गठित की थी। इसमें मस्जिद के मुतल्लवी और भारतीय पुरातत्व विभाग (ASI) को भी शामिल किया था।

यूपी में होली से पहले मस्जिदों को तिरपाल से ढंका

12 जिलों में जुमे की नमाज का वक्त बदला, संभल-शाहजहांपुर में हाई अलर्ट

शाहजहांपुर। इस बार होली 64 साल बाद रमजान के जुमे के दिन है। इससे पहले 1961 में 4 मार्च को होली और रमजान का शुक्रवार (जुमा) साथ-साथ था। रंग में भंग न पड़ जाए, इसके लिए उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशासन अलर्ट है। प्रदेश के 12 जिलों में जुमे की नमाज का वक्त बदल दिया गया है। मस्जिदों को रंग-गुलाल से बचाने के लिए तिरपाल से ढंक दिया गया है। शाहजहांपुर में सबसे ज्यादा 67 मस्जिदों को तिरपाल और पन्नी से ढंका गया है। यहां लाट साहब के जुलूस के लिए पुलिस संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर रही है। एक हजार से ज्यादा पुलिस जवान दूसरे जिलों से आए हैं।

शाहजहांपुर में जूता मार होली

खेलने की परंपरा 300 सालों से चली आ रही है। होली के दिन यानी 14 मार्च को लाट साहब का लंबा-चौड़ा जुलूस निकलेगा। इसमें एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर भैंसा गाड़ी पर बिठाया जाता है। लोग उस पर रंग, जूते-चप्पल बरसाते हैं।

शाहजहांपुर में लाट साहब के दो जुलूस निकाले जाते हैं, जिन्हें छोटे और बड़े लॉट साहब कहा जाता है। कोतवाल लाट साहब को सलामी देकर नेग देते हैं, इसके बाद जुलूस रोशनगंज, बेरी चौकी, अंटा चौराहा होते हुए थाना सदर बाजार क्षेत्र में प्रवेश करता है। बाबा विश्वनाथ मंदिर पर जुलूस खत्म हो जाता है। चौक से निकलने वाले इस जुलूस का रूट करीब 8 किलोमीटर का होता है। इसलिए रास्ते की 67 मस्जिदों और मजारों को तिरपाल से ढंका गया है। जिससे उन पर रंग और गुलाल न पड़े। होली का त्योहार शांति से संपन्न कराने के लिए एसपी राजेश एस और डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह लगातार रूट मार्च कर रहे हैं। आईजी, एडीजी और कमिश्नर तक जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर चुके हैं।

हरियाणा में बीजेपी ने 10 में से 9 निगम जीते

कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला, मानेसर में राव समर्थक निर्दलीय जीतीं, 7 निगमों में महिला मेयर

हरियाणा। हरियाणा के नगरीय निकाय चुनाव के रिजल्ट बुधवार को घोषित हुए। भाजपा ने 10 नगर निगम में से 9 में जीत दर्ज की है। कांग्रेस का किसी भी निगम में खाता नहीं खुला। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गढ़ रोहतक में भी कांग्रेस जीत नहीं पाई। इसी तरह सिरसा नगर परिषद में भाजपा का चेयरमैन बना। सिरसा से कांग्रेस की कुमारी सैलजा सांसद हैं। मानेसर नगर निगम में निर्दलीय डॉ. इंद्रजीत यादव चुनाव जीतीं। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार सुंदर लाल को हराया। इंद्रजीत यादव ने खुद को केंद्रीय राज्यमंत्री और गुरुग्राम से भाजपा सांसद राव इंद्रजीत की करीबी बताकर प्रचार किया था।

फरीदाबाद, हिसार, रोहतक, करनाल, यमुनानगर, गुरुग्राम और

मानेसर में 2 मार्च को वोटिंग हुई थी। अंबाला और सोनीपत में मेयर पद के उपचुनाव के लिए भी इसी दिन मतदान हुआ। इसी दिन 21 नगर पालिकाओं के लिए भी वोट डाले गए। पानीपत में 9 मार्च को वोटिंग हुई।

10 निगमों में 7 महिलाएं मेयर बनीं -10 नगर निगमों में से 7 में महिलाएं मेयर बनी हैं। जबकि सिर्फ 3 में पुरुष मेयर बने। गुरुग्राम में राज रानी, यमुनानगर में सुमन बहमनी, पानीपत में कोमल सैनी, फरीदाबाद में प्रवीण जोशी, मानेसर में डॉ इंद्रजीत, अंबाला में सैलजा सचदेवा और करनाल में रेणु बाला मेयर चुनाव जीतीं। नगर निगम चुनाव में सबसे बड़ी जीत फरीदाबाद और सबसे छोटी हार मानेसर में हुई है। फरीदाबाद में भाजपा की प्रवीण जोशी को 3,16,852 वोटों से जीत मिली। उन्होंने कांग्रेस की लता रानी को हराया। वहीं मानेसर में भाजपा के सुंदर लाल को 2,293 वोटों से हार मिली।

होली पर विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदेश वासियों को दी शुभकामनाएं

राजस्थान की राजनीति, जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विस अध्यक्ष देवनानी ने कहा है कि होली का त्योहार

न केवल रंगों और उल्लास का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी समन्वय और आध्यात्मिक चेतना का भी परिचायक है। यह भारतीय समाज की उस विशिष्टता को दर्शाता है जिसमें विविधता में एकता की भावना निहित है। अनेक सामाजिक परिवर्तनों के बावजूद होली का पर्व आपसी प्रेम, भेदभाव का विघटन और समाज में सामूहिक सौहार्द्र को बढावा देता है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि होली का पर्व उन त्योहारों में से है, जो सामूहिकता की भावना को प्रबल करते है, क्योंकि होली एक ऐसा त्योहार है जिसे अकेले नहीं मनाया जा सकता। यह रंगों का पर्व है। श्री देवनानी ने कहा कि रंग हर व्यक्ति के भीतर और बाहर मिलकर एक संगठित समुदाय का निर्माण करते है। इस पर्व में हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति वर्ग का हो समान रूप से रंगों में रंग जाता है।

गांव झटोला में बिजली बिल की बकाया राशि वसूलने गई डिस्कॉम टीम पर हमला

जेईएन ने दर्ज कराया मामला, डिफॉल्टर उपभोक्ताओं की काट दी थी बिजली

राजस्थान की राजनीति
बयाना 12 मार्च (अमन झालानी)। बयाना में बिजली बिल की बकाया राशि वसूलने गई डिस्कॉम की टीम के साथ ग्रामीणों ने मारपीट कर दी। ग्रामीणों ने जेईएन की गर्दन तक दबाने का प्रयास किया। डिस्कॉम की टीम

जैसे तैसे जान बचाकर गांव से बाहर निकली। ग्रामीणों ने डिस्कॉम के सरकारी वाहन पर पथराव भी किया। एक दिन पुरानी इस घटना को लेकर डिस्कॉम जेईएन ने 4 नामजद ग्रामीणों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। बागरैन जीएसएस के जेईएन सुनील कुमार शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 11 मार्च को दोपहर करीब 3ः15 बजे वह विभाग के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर झटोला गांव में टीम के साथ उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बकाया राशि वसूलने गए थे। जहां बकाया राशि जमा नहीं कराने वाले डिफाल्टर उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई बन्द कर केबिल उतारी गई थी। इस बात से नाराज होकर उपभोक्ता ग्रामीण कुंवर सिंह, पीयूष, रविंद्र, उम्मेदी आदि मौके पर पहुंचे। जेईएन का आरोप है कि ग्रामीणों ने जब्त की गई केबिल को सरकारी पिकअप से वापस उतारने की कोशिश

परशुराम बीएड कालेज में मनाया गया होली मिलन समारोह

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

राजस्थान की राजनीति
बयाना 12 मार्च (अमन झालानी)। कस्बे के परशुराम

बीएड कॉलेज में बुधवार को होली महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने होली के गीतों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश सिंह सूपा ने की। वहीं पूर्व सांसद रंजीता कोली मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। पुलिस उपअधीक्षक कृष्णराज जांगिड़ ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में कालेज संचालन समिति के अध्यक्ष अनिल उपाध्याय, प्राचार्या डॉ अंजू गोयल, सचिव अजय उपाध्याय, डॉ. अभय उपाध्याय आदि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी लोगों व छात्र-छात्राओं ने आपस में होली की शुभकामनाएं देते हुए होली की खुशियों व आपसी भाईचारे और रंगों की उमंगों को बनाए रखने का भी आह्वान किया। और कहा कि होली का यह महापर्व हमें सभी गलतियों व दुर्भावनाओं को भुलाकर आपस में एक दूसरे के गले मिलकर प्रेम प्यार से रहना सिखाता है।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान

खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित कर भेजे खाद्य प्रयोगशाला

राजस्थान की राजनीति
भरतपुर, 12 मार्च। जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत होली त्यौहार व अन्य पर्वों के अवसर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर ने बताया कि मंगलवार को तहसील नदबई में मैसर्स राहुल किराना स्टोर से घी, मैसर्स एस.एम.बी. स्वीट्स से कलाकन्द, मावा मिठाई एवं मैसर्स खुषबू फास्ट फूड से बर्फी मावा मिठाई का नमूना लिया गया । उन्होंने बताया कि बुधवार को भरतपुर शहर में मैसर्स गजेन्द्र जनरल स्टोर से घी, मैसर्स सत्गुरू ट्रेडर्स से मॉकटेल सीरप एवं मैसर्स भरतपुर मिष्ठान भण्डार से मावा मिठाई आदि खाद्य पदार्थो के नमूने एकत्रित कर खाद्य प्रयोगषाला भिजवाये गये हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत मौके पर 35 किलोग्राम सूखी व दूषित मिठाई एवं 30 किलोग्राम अवधिपार मिर्च मसाले नष्ट कराये गये। खाद्य कारोबारियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ बेचने, खाद्य पदार्थो को ढक कर रखने व साफ-सफाई का समुचित ध्या

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

आपसी भाईचारा व सम्मान के साथ मनाएं सभी पर्व व त्यौहार - जिला कलक्टर

प्रत्येक गतिविधि पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर - जिला पुलिस अधीक्षक

राजस्थान की राजनीति
भरतपुर, 12 मार्च। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा सहित अधिकारी गण एवं जिले के शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने कहा कि हमारी संस्कृति में सभी त्यौहारों को आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाये जाने की रही है साथ ही परम्परागत रूप से भी हम एक-दूसरे के त्यौहारों को भी मिलकर मनाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि भरतपुर ब्रज क्षेत्र में आता है ऐसे में होली का त्यौहार धूमधाम के साथ सभी वर्ग व सम्प्रदायों में मनाया जाता है। इस वर्ष होली से लेकर रामनवमी तक सभी धर्मो के त्यौहार आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक एक -दूसरे का सम्मान करते हुये त्यौहारों को मनायें सुख-दुख में भागीदार होने की परम्परा का निर्वहन करें। उन्होंने धुलण्डी के अवसर पर रमजान के द्वितीय जुम्मा होने के कारण सभी संभ्रांत नागरिकों को

पेट्रोल पंप पर खड़े हाइवा ट्रक को चोरी कर ले गए चोर

5 किमी आगे टोल प्लाजा के सीसीटीवी में दिखा

राजस्थान की राजनीति, बयाना 12 मार्च (अमन झालानी)। बयाना क्षेत्र में फिर एक बार वाहन चोर गिरोह सक्रिय होता नजर आ रहा है। अब चोर बयाना- भरतपुर स्टेट हाईवे पर सदर थाना इलाके में झील का बाड़ा स्थित एक पेट्रोल पंप पर खड़े हाइवा ट्रक को बीती रात चोरी कर ले गए। चोरी गए हाइवा ट्रक की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपए बताई गई है। घटना को लेकर पीड़ित ट्रक मालिक के भाई ने सदर थाने में अज्ञात चोरों

के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। उधर, घटना स्थल से करीब 5 किलोमीटर आगे बीरमपुरा टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरे में रात करीब 1ः30 बजे चोरी हुआ हाइवा ट्रक दिखाई दिया है। इससे आशंका जताई जा रही है कि चोर ट्रक को मेवात हरियाणा इलाके में ले गए है। इसी के आधार पर पुलिस भी अपनी आगे की पड़ताल कर रही है। हरियाणा-दिल्ली के कई इलाकों में चोरी हुए वाहनों को खुर्द-बुर्द करने का अवैध कारोबार चलने की पुलिस को सूचना मिली है। गांव तालिमपुर निवासी जितेंद्र जाट ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके छोटे भाई रामकुमार के नाम रजिस्टर्ड हाइवा ट्रक रोजाना की तरह रात को झील का बाड़ा

होली के रंग अधिवक्ताओं के संग

राजस्थान की राजनीति
नगर- न्यायालय परिसर नगर में अभिभाषक संघ नगर द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश निखिल सिंह द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं माल्यार्पण कर किया गया। समारोह में चंदर भगत एण्ड पार्टी द्वारा होली गीत, होली रसिया,फूल, गुलाल, होली गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। प्रस्तुतियों पर अधिवक्ताओं ने जमकर डुमके लगाए। अतिरिक न्यायिक मजिस्ट्रेट रमन कुमार शर्मा द्वारा रंग बरसे भीगे चुनर वाली शानदार प्रस्तुति पर सभी ने होली की उमंग पर नृत्य किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतीक दाधीच, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश कुमार, समाजसेवी काशीराम गर्ग, ब्रह्मानंद दाढ़ीवाला, विनोद पूंछरी,श्रीराम चूल्हेरा, वरिष्ठतम अधिवक्ता ब्रजेश खंडेलवाल, हुकमसिंह यादव, रघुनाथ वशिष्ठ,गजेन्द्र सिंह,दिनेश गुप्ता,राजवीर गुर्जर, लालाराम गालव, रविशंकर कटारा, देवेंद्र शर्मा, चरण सिंह चौहान, दुर्गेश दत्त कटारा,मेघसिंह भगोर, दिनेश शर्मा, विजयराम जाटव, विश्वेंद्र यादव, करतार सिंह, गिरेन्द्र उपाध्याय, तेजपाल चौहान, बच्चूसिंह, शेरसिंह आदि मौजूद रहे।

भरतपुर विकास प्राधिकरण विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित

भरतपुर विकास प्राधिकरण से सुनियोजित और योजनाबद्ध विकास को मिलेगी गति - नगरीय विकास राज्य मंत्री

राजस्थान की राजनीति
भरतपुर/जयपुर, 12 मार्च। नगरीय विकास राज्य मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भरतपुर विकास प्राधिकरण से शहर का सुनियोजित, व्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास को तीव्र गति मिलेगी। हर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि जनसंख्या की दृष्टि से भरतपुर बड़ा शहर है। गत वर्षों में शहर और नजदीकी क्षेत्र तेजी से आवासित होता जा रहा है। इसलिए अब प्राधिकरण बनाया गया है। इससे क्षेत्र में आवासन, सामुदायिक सुविधाएं और आधारभूत संरचनाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होगी। आमजन को उच्च गुणवत्तापूर्ण लोक सेवाएं मिलेंगी। श्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में भरतपुर विकास प्राधिकरण विधेयक, 2025 पर चर्चा के बाद जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में तीव्र गति से विकास होने से रियल एस्टेट में तेजी से विनियोजन हुआ है। इसे देखते हुए बड़े शहरों में शीघ्र विकास की आवश्यकताएं महसूस हुई हैं।

नगरीय विकास मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि पूर्व में नगर विकास न्यास का क्षेत्रफल 53 राजस्व गांवों (18 हजार 960.95 हैक्टेयर भूमि) तक था। अब प्राधिकरण में भरतपुर शहर, तहसील भरतपुर, कुम्हेर और रारह के 210 गांवों को सम्मिलित किया गया है। इनका क्षेत्रफल 53 हजार 205.58 हैक्टेयर है। उल्लेखनीय है कि प्राधिकरण में अध्यक्ष सहित 16 सदस्य होंगे।

श्री खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने बजट 2024-25 में भरतपुर विकास प्राधिकरण बनाने के लिए घोषणा की थीं। इसकी अनुपालना में अध्यादेश लाते हुए अधिसूचना जारी कर प्राधिकरण गठित किया गया है।

इससे पहले श्री खर्रा ने विधेयक को सदन में प्रस्तुत किया। सदन में विधेयक को जनमत जानने के लिए परिचालित करने के प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी होली एवं धुलंडी की शुभकामनाएं

होली के विविध रंग अनेकता में एकता के प्रतीक- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राजस्थान की राजनीति, भरतपुर/जयपुर, 12 मार्च। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने होली एवं धुलंडी (13 व 14 मार्च) के पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री शर्मा ने कहा कि होली का यह त्यौहार जीवन में खुशहाली का प्रतीक है। होली के विविध रंग अनेकता में एकता की हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के परिचायक हैं। रंगों और खुशियों से लबरेज यह पर्व हमें आपसी भाईचारे, एकता और सद्भाव को बढ़ाने की सीख देता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे आपसी प्रेम, सौहार्द, सामाजिक समरसता के साथ रंगों के इस त्यौहार को हर्षोल्लास से मनाएं और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लें।

उद्योग घराने ने मनाया होली मिलन

राजस्थान की राजनीति, भरतपुर, भरतपुर ऑयल मिलर्स एसोसियेशन और बृज औघोगिक संघ रिको के द्वारा रीको में होली मिलन समारोह आयोजित हुआ। जिसमें शहर भरतपुर में उद्योग,व्यापार घराना सहित अनेक राजनैतिक- गैर राजनैतिक और धार्मिक संस्थान के पदाधिकारी शामिल हुए। ब्रज के कलाकारो ने फाल्गुन रसिया और नृत्य की प्रस्तुति दी। उद्योग घराने से कृष्ण कुमार अग्रवाल अध्यक्ष भरतपुर आयल मिलर्स एसोसिएशन, राकेश बंसल महामंत्री भरतपुर आयल मिलर्स एसोसिएशन , राधेश्याम गोयल संरक्षक बृज औद्योगिक संघ विनीत अग्रवाल अध्यक्ष बृज औद्योगिक संघ राहुल बंसल सुनील मित्तल अमित गोयल दीनदयाल सिंघल ,लक्ष्मण गर्ग आशु गर्ग अमित रामुका मनोज सिंघल मुकुल गोयल योगेश जैन भूपेश अग्रवाल भारत भूषण अग्रवाल अनुराग गर्ग, कृष्ण मुरारी अग्रवाल विष्णु उच्चेन आदि मौजूद रहे।

महिला ने दिया बयान नहीं है मेरा भ्रूण

अब ये बड़ा सवाल है भ्रूण इसी महिला का है या और किसी का लालसोट अस्पताल और पुलिस नहीं कर पाई अब तक भ्रूण बरामद

राजस्थान की राजनीति
विष्णु आशीर्वाद दौसा 9414334872 दौसा - अर्द्ध विकसित प्लेसन्टा ग्रभाश्य कुत्ते नोचकर खाने प्रकरण मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है। जिस महिला के प्री मच्योर डिलीवरी की बात कही जा रही अब वह महिला इस मामले अनिभिज्ञता जता रही है। जहां जिला अस्पताल लालसोट पीएमओ ने पुलिस में परिवाद पेश किया। जिस मामले की अब लालसोट पुलिस जांच में जुटी हुई है।

बीते दिन लालसोट शहर के राजकीय महिला चिकित्सालय के पीछे एक भ्रूण को स्वान ने अपने जबड़े में भरकर चबाता हुए खाने का मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। जिसमें वीडियो के वायरस होते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया और आनंद-फानन के अंदर प्रशासन अमला मौके पर पहुंचा था। लेकिन जब तक स्वान ने भ्रूण को खा चुका था। पुलिस को अवशेष भी नहीं मिले थे. पुलिस के अनुसार राजकीय महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया था अस्पताल समस्त प्रसूताओं एवं जन्म लेने वाले समस्त बच्चे अस्पताल में उपस्थित तथा सुरक्षित पाये गये। उसके उपरान्त जब अस्पताल का निरीक्षण किया गया तो एक महिला ओपीडी कक्ष के बाहर (ओपीडी समय पश्चात लगभग 4.15 बजे के आस पास) लेटी हुई मिली। जिसकी उम्र लगभग 40 से 50 साल के करीब की है। तब इस महिला से पुछा गया, तो महिला ने तबियत खराब होना ब्लीडिंग होना बताया। तब तुरन्त ही महिला को आपातकालीन कक्ष मे ले जाया गया। महिला की जाँच की तो प्रथम दृष्टया पाया गया कि उक्त महिला के करीबन 30 से 35 मिनट पहले प्रसव हुआ है एवं अर्द्ध विकसित प्लेसन्टा ग्रभाश्य में पाया गया। जिसको निकाल कर महिला का प्राथमिक उपचार किया गया। जो करीब 18 माह का बताया जा रहा है। फ़िलहाल महिला दौसा जिला अस्पताल के लेबर रूम भर्ती है। महिला से इस संबंध में पूछताछ की गई तो महिला ने बताया वह लालसोट अस्पताल में भतीजी से मिलने आयी थी। पहले मेरे पेट में दर्द था अचानक ब्लीडिंग चल गई थी। फिर वॉशरूम में गई मेरी भतीजी ने सेनेटरी पैड दिया था उसे लगा लिया था ।उसके बाद मुझे चक्कर आ गए और में पलंग पर लेट गई उसके बाद क्या हुआ वो मुझे पता नहीं। बाकि मामले में महिला अनभिज्ञता जता रही है। बहरहाल मामले में अब महिला का बयान आने के बाद कई सवाल खड़े कर दिए है। जिनका जवाब अब लालसोट पीएमओ सहित भ्रूण की पुष्टि करने वालो को देना होगा कि भ्रूण ईसी महिला का है या और किसीका ये बड़ा सवाल है। साथ ही इस मामले को लेकर लालसोट पीएमओ ने एक परिवाद पेश किया जिसमे पुलिस की जांच जारी है।

10 गाँव में लगे किसान रजिस्ट्री शिविर

1662 किसानों को मिली यूनिक आईडी होली के बाद अन्य गांव में लगेंगे शिविर

राजस्थान की राजनीति
नदबई-किसानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उन्हें एक डिजिटल पहचान देने के उद्देश्य से गांव हंतरा, रायसीस, करीली, भदीरा, खेड़ी देवी सिंह, उटारदा, गादोली, जहांगीरपुर, बछामदी और तहसील परिसर में आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविरों का गुरुवार को सफल समापन हुआ। इस दौरान दोपहर 2 बजे तक कुल 1622 किसानों को मौके पर ही 11 अंकों की यूनिक फार्मर आईडी प्रदान की गई। शिविर के तहत किसानों को एक सिंगल डिजिटल आईडी के माध्यम से सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूक्क) पर खरीदारी जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

अब होली के बाद अन्य गांवों में लगाए जाएंगे शिविर-तहसील मास्टर ट्रेनर आकाश सोलंकी ने बताया कि, अब होली के बाद अन्य गांवों में किसान रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान का विस्तार जारी रहेगा और अधिक से अधिक किसानों को यूनिक आईडी प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करें, कल्याणकारी योजनाओं का फायदा हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाये - राज्यपाल

राजस्थान की राजनीति

दौसा- राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं तथा विकास कार्यो को तय समय सीमा में पूर्ण करें और जनकल्याणकारी योजनाओं का फायदा हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाएं। राज्यपाल बुधवार को यहां जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राष्ट्र और समाज की प्रगति के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास हो कि हर वर्ग के बालक-बालिका को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जिले में कुपोषित बच्चों की जानकारी लेते हुए हर बालक-बालिका को पूर्ण पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए पेंशन एवं छात्रवृत्ति राशि का समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि गांवों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और कोई भी आवास शौचालय रहित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने मनरेगा के माध्यम से गांवों में अच्छे खेल मैदानों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। राजीविका गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की ओर से बनाए जाने वाले उत्पादों और उनसे होने वाली वार्षिक आय की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने इन उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग कर बाजार मुहैया कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जिला स्तर पर इन समूहों की आय के समुचित आंकड़े संधारित करते हुए हर वर्ष लक्षित वृद्धि हासिल कर महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाएं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जिले में सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में कोई भी गांव और ढाणी सड़क से वंचित नहीं रहें। हर ढाणी तक मनरेगा के माध्यम से ग्रेवल सड़क से सुगम रास्ता सुनिश्चित करें। उन्होंने हाइवे की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए समय पर मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में पानी की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की मंशा है कि देश

में पीने के पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो और आगामी 25-30 साल तक कहीं भी पेयजल की परेशानी नहीं आए। इसके लिए ही हर घर नल योजना शुरु कर घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने इसरदा पेयजल परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और निश्चित समय सीमा में इसका काम पूर्ण कर लोगों को पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने जिले के कृषि परिदृश्य की जानकारी लेते हुए बूंद-बूंद सिंचाई एवं मिनी स्प्रिंकलर को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की अनुदान राशि समय पर काश्तकार को मिल जानी चाहिए। उन्होंने जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि काश्तकार को मंडी में जिंस तुलाई में कोई दिक्कत नहीं हो और फसल बेचान की राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। उन्होंने किसानों के बीच सिंचाई के लिए सोलर पंप सेट को प्रोत्साहित करने के साथ लम्बित कृषि बिजली कनेक्शन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा कर काश्तकारों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मातृ वंदन योजना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि राज्यपाल की ओर से विभिन्न योजनाओं का और बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करने के लिए दिए दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराई जाएगी। इससे पुर्व जिला स्तरीय अधिकारियों ने पॉवर प्वॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से संबंधित विभागीय योजनाओं की प्रगति की बिन्दुवार जानकारी से राज्यपाल को अवगत कराया।

बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक सागर, उप वन संरक्षक अजित उंचोई, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा सहित प्रशासनिक, पुलिस एवं विभागीय जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला परिषद की सामाजिक सेवा एवं न्याय समिति की बैठक आयोजित

राजस्थान की राजनीति

दौसा - जिला परिषद की सामाजिक सेवा एवं न्याय समिति की बैठक चेयरमैन नीलम गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में चिकित्सा , सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की। चेयरमैन ने बालिका आवासीय छात्रावासों में नामांकन की अनियमितता पर नाराजगी जाहिर की। आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित पोषाहार वितरण, टीकाकरण कार्यक्रम के साथ ही महिला सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियानों के सुचारू क्रियान्वयन,फूड सैंपलिंग में तेजी लाकर मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में पेंशन सत्यापन, पालनहार योजना समेत विभिन्न योजनाओं के उचित क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया । चेयरमैन ने अधिकारियों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को रोडमैप बनाकर आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए

इस दौरान समिति सदस्य श्रीनारायण मीणा, जिला परिषद सीईओ नरेंद्र कुमार, समाज कल्याण विभाग सहायक निदेशक रामराज मीणा, महिला बाल विकास विभाग सहायक निदेशक युगलकिशोर मीणा , डिप्टी सीएमएचओ महेंद्र गुर्जर समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

6 साल से फरार आरोपी मनीष गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ कुल 10 प्रकरण दर्ज

राजस्थान की राजनीति, दौसा - दौसा सदर थाना क्षेत्र के ड्यूटी अधिकारी पगड़ीराम रात्रि में गस्त के दौरान 6 साल से फरार आरोपी मनीष पुत्र मोतीराम उर्फ भीखाराम उम्र 26 साल निवासी धौला कुआं रोड थाना महुआ को गिरफ्तार करने में सफलता मिलती है। आरोपी थाना भुसावर जिला भरतपुर में वांछित अपराधी है। अभियुक्त को धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी भुसावर और जयपुर में भी वांटेड है अभियुक्त के खिलाफ कुल 10 प्रकरण दर्ज हैं।

डकैती के मामले में वांछित 5000रु का इनामी आरोपी खुशीराम गिरफ्तार

पूर्व में महेश कुमार सेन, हीरालाल सैनी, राजेंद्र उर्फ राजू सेन, दयाराम उर्फ कालू मीणा व हंसराम उर्फ़ छुट्टन मीणा हो चुके है गिरफ्तार

राजस्थान की राजनीति

दौसा - दौसा सदर थाना पुलिस ने डकैती के मामले में वांछित 5000 का इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी सदर थाना का टॉप टेन वांछित अपराधियों में शामिल है। प्रकरण में पूर्व में पांच अभिव्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार 17 सितंबर 2024 को तेजराम सैनी ने सदर थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट पेश की थी कि 16 सितंबर 2024 को दौसा से मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहा था इस दरमियान रात्रि करीब 8:00 बजे खारण्डी नदी पेट्रोल पंप के करीब पहुंचा जा आगे चल रही एक मारुति स्विफ्ट कार में मौजूद बदमाशों ने मेरा मोबाइल और बाइक की चाबी छीन ली। जेब में रखे 15000 रु जबरन छीन ले गए थे। साथ ही मेरे साथ लाठी डंडों से गंभीर मारपीट भी जिसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिस पर पुलिस ने पूर्व में पांच अभियुक्त को गिरफ्तार किया जा चुका जिनमें हीरालाल सैनी व महेश कुमार सैन के साथ गैंग बनाकर आरोपी षडयंत्र पूर

नदबई में रंगों के त्यौहार का उल्लास

13 मार्च को होगा होलिका दहन 14 मार्च को खेली जाएगी धूलंडी

राजस्थान की राजनीति, नदबई-रंगों और उल्लास का पर्व होली नदबई में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। शहर में होली को लेकर जबरदस्त उत्साह है। बाजारों में गुलाल, रंग, पिचकारी और मिठाइयों की

खरीदारी जोरों पर है। वहीं, होली के पहले दिन 13 मार्च को परंपरागत रूप से होलिका दहन किया जाएगा।

होलिका दहन का शुभ मुहूर्त -प्राचीन काशीनाथ मंदिर के महंत कुक्कन पंडित जी के अनुसार, होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात 11 बजकर 29 मिनट पर है। इस दौरान शहरभर में अलग-अलग स्थानों पर होली दहन होगा, जिसमें उपाध्याय पाड़ा, पंजाबी कॉलोनी, हट्ठ पाड़ा सहित विभिन्न स्थानों पर दहन की तैयारियां लोग कर रहे हैं।

होली दहन की तैयारियां जोरों पर-शहरवासियों में होली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। होलिका दहन के लिए जगह-जगह लकड़ियां,और होली पूजन सामग्री एकत्रित की गई है। बाजारों में इस अवसर के लिए विशेष गेंहू की बालियां, नारियल, गुलाल, रोली, कुमकुम, गुड़ और मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ देखने को मिल रही है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोग घायल

एक गभीर घायल को भरतपुर किया घायल

राजस्थान की राजनीति

नदबई-क्षेत्र में मंगलवार रात को दो अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक घायल की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भरतपुर रेफर कर दिया।

पहला हादसा नगर बाईपास पर हुआ-108 एंबुलेंस ईएमटी सीताराम ने जानकारी देते हुए बताया कि, बाइक सवार मगन (40) पुत्र दयाराम अपनी बाइक से नदबई से करीली की ओर जा रहा था, तभी नदबई नगर सड़क मार्ग स्थित बाईपास पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने पत्थर के प्लेटफॉर्म से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मगन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस दिनेश एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंचे और घायल को नदबई के राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में घायल की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर घायल को जिला अस्पताल भरतपुर रेफर कर दिया।

दूसरा हादसा कुम्हेर रोड पर हुआ-वहीं दूसरा हादसा नदबई-कुम्हेर सड़क मार्ग पर हुआ।

होली के रंग में रंगा नदबई का बाजार

कलर क्लाउड सिलेंडर और हर्बल गुलाल की मांग बढी बच्चों को लुभा रही कार्टून करेक्टर वाली पिचकारीयां

राजस्थान की राजनीति

नदबई- में होली से दो दिन पहले ही बाजारों में रंगों की बहार आ गई है। हर गली और चौराहे पर होली की रौनक देखने को मिल रही है। बाजार रंग-बिरंगे गुलाल, आकर्षक पिचकारियों और नए ट्रेंड के होली प्रोडक्ट्स से सजा हुआ है। बच्चे हों या युवा, हर कोई होली के उत्साह में रंग खरीदने और अपनी पसंदीदा पिचकारियों का चुनाव करने के लिए बाजारों में उमड़ रहा है।

कलर क्लाउड सिलेंडर, हर्बल गुलाल की मांग ज्यादा-इस बार बाजार में पारंपरिक रंगों के साथ-साथ नए ट्रेंड भी देखने को मिल रहे हैं। दुकानदार अमन खंडूजा के अनुसार, इस बार लोग कलर क्लाउड सिलेंडर और कलर फोग कैंडल्स को खूब पसंद कर रहे हैं। ये नए तरह के प्रोडक्ट्स हवा में रंगों का एक अनोखा इफेक्ट पैदा करते हैं, जिससे होली का मजा और भी बढ़ जाता है। इसके अलावा, हर्बल गुलाल भी लोगों की पहली पसंद बना हुआ है, क्योंकि यह त्वचा के लिए सुरक्षित है।

दुकानों पर पिचकारियों और मास्क की वैरायटी-बाजार में बच्चों के लिए खासतौर पर छोटा भीम और मोटू-पतलू डिज़ाइन की पिचकारी उपलब्ध है।

छात्रवृत्ति हेतु छात्र खाता संख्या को संबंधित बैंक में जाकर आधार से सीडिंग करवाये

राजस्थान की राजनीति, दौसा - पीएमश्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौसा के प्रिंसिपल वेदव्यास मीणा ने बताया कि सत्र 2022-23,2023 -24,2024 - 25 में अध्यनरत विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि छात्रवृत्ति हेतु दिये गये खाता संख्या को संबंधित बैंक में जाकर आधार से सीडिंग करवाये तथा बैंक खाता से जुड़ा फोन भी अपने साथ बैंक में लेकर जावे ताकि ओटीपी बैंक कार्मिक को तुरंत बताया जा सके। खाता संख्या आधार सीडिंग के अभाव में विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह सकता है। संबंधित छात्र उक्त कार्य आवश्यक रूप से करवाले।

आईपीएल : जयपुर में पहला मैच 13 अप्रैल को, आनॅलाइन टिकट सेल शुरू

जयपुर। जयपुर में आईपीएल की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। बेशक 13 अप्रैल को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मैच रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी लेकिन क्रिकेटप्रेमियों के लिए खुशखबरी यह है कि आईपीएल फ्रेंचाइजी ने जयपुर के मैचों की टिकटें ऑनलाइन उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। आप बुकमायशो से टिकट खरीद सकते हैं। हालांकि ऑफलाइन टिकटें मैच से कुछ दिन पूर्व ही उपलब्ध होंगी। अभी पहले दो मैचों के टिकटों की ही ऑनलाइन बिक्री शुरू की गई है। 19 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स का मैच लखनऊ सुपरजाएंट्स से होगा। युवाओं के लिए क्रिकेट को और अधिक सुलभ बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखते हुए राजस्थान रॉयल्स एक बार फिर छात्रों के लिए 500 रुपए की स्पेश टिकट पेश कर रहा है।

कोचिंग नियामक आयोग का विरोध तेज

ऑल कोचिंग इंस्टिट्यूट महासंघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। राजस्थान में प्रस्तावित कोचिंग नियामक आयोग के खिलाफ कोचिंग

संचालकों ने विरोध तेज कर दिया है। ऑल कोचिंग इंस्टीट्यूट महासंघ ने इसे अव्यावहारिक बताते हुए सरकार को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनीष कुमार नाडार ने बताया- वर्तमान प्रस्ताव के अनुसार कोई भी कोचिंग संचालक नियमों को पूरा नहीं कर पाएगा। महासंघ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बेरवा और मुख्य सचिव सुधांशु पंत को ज्ञापन भेजकर नियमों में बदलाव की मांग की है। अनीष कुमार नाडार ने बताया कि सरकार लॉकडाउन के समय की शर्तों को लागू करना चाहती है, जो व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा- इन नियमों के अनुसार तो कोचिंग संचालन के लिए स्वयं भगवान को नीचे उतरकर आना पड़ेगा। महासंघ ने कोचिंग हब और नियामक आयोग में कोचिंग विरोधी बिंदुओं को हटाने की मांग की है।

10 दिन में समाधान नहीं हुआ तो अनशन करेंगे कोचिंग संचालक-महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यदि सरकार 10 दिन में उनकी मांगों पर विचार नहीं करती तो वे अनशन पर बैठेंगे। मंगलवार को महासंघ ने राजस्थान आवासन मंडल की आयुक्त रश्मि शर्मा को ज्ञापन सौंपा। नाडार ने बताया- कोचिंग हब को सफल बनाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए हैं। यदि सरकार इस दिशा में पहल नहीं करती तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

कोचिंग संस्थान सरकार को टैक्स देते हैं-महासंघ के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सिराज खान ने बताया कि कोचिंग संस्थान सरकार को भारी-भरकम टैक्स चुकाते हैं और समाज उत्थान के हर कार्य में सहयोग देते रहे हैं। उन्होंने कहा- सरकार को स्वजनित इस रोजगार को और अधिक मजबूती देनी चाहिए।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने जारी की नई गाइडलाइन

फॉर्म में अपडेट करना होगा आधार; परीक्षा के बाद कोई करेक्शन नहीं कर सकेंगे अभ्यर्थी

जयपुर। राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल और धांधली रोकने के लिए कर्मचारी चयन बोर्ड ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अभ्यर्थियों को आवेदन के बाद परीक्षा शुरू होने से पहले तक अपने फॉर्म में करेक्शन करने का मौका दिया जाएगा। अगर किसी अभ्यर्थी द्वारा गलत और झूठी जानकारी बोर्ड को भेजी जाएगी तो उसे आजीवन डीबार कर दिया जाएगा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने कहा- भर्ती परीक्षा में धांधली और नकल रोकने के लिए बोर्ड ने नई गाइडलाइन जारी की है। गाइडलाइन की पालना नहीं करने पर अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षा में शामिल नहीं किया जाएगा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा भर्ती परीक्षा के आवेदन के दौरान और परीक्षा से एक महीने पहले 7 दिन तक अभ्यर्थियों को ऑनलाइन फॉर्म करेक्शन की सुविधा दी जाएगी। इसमें वह वन टाइम रजिस्ट्रेशन में दर्ज सूचनाओं जैसे नाम, पिता का नाम और डेट ऑफ बर्थ में संशोधन कर सकेंगे। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन फॉर्म में जो भी एडिटिंग और संशोधन किया जाएगा। उसकी पूरी जानकारी कर्मचारी चयन बोर्ड के पास सॉफ्ट डाटा के तौर पर मौजूद रहेगी। भविष्य में किसी तरह का धांधली और गड़बड़ी होने पर बोर्ड द्वारा अभ्यर्थी का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है।

बोर्ड द्वारा जारी नई गाइडलाइन-आवेदन के बाद भी अगर कोई अभ्यर्थी अपना फॉर्म वापस लेना चाहता है या भर्ती परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहता है। तो उसे परीक्षा के आयोजन से 1 महीने पहले सिर्फ तीन दिन तक फॉर्म वापस लेने की छूट दी जाएगी। अगर कोई अभ्यर्थी फॉर्म वापस नहीं लेकर भर्ती परीक्षा में भी शामिल भी नहीं होता है तो नियम अनुसार बोर्ड द्वारा उससे पेनल्टी वसूली जाएगी।

ऑनलाइन आवेदन के दौरान अभ्यर्थी को शैक्षणिक और तकनीकी योग्यता के सभी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। अगर अभ्यर्थी के पास डॉक्युमेंट नहीं है तो संबंधित पाठ्यक्रम में एडमिशन की रसीद और अन्य दस्तावेजों का नोटेरी वेरिफिकेशन करवाकर उन्हें अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही अगर अभ्यर्थी द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेजों में किसी भी तरह की गड़बड़ी पाए जाने पर अभ्यर्थी के फॉर्म को रिजेक्ट कर दिया जाएगा।

अमीरी-गरीबी की खाई

देश के लगभग 100 करोड़ भारतीयों के पास इतनी आय नहीं है कि वे विवेकाधीन वस्तुओं पर कुछ भी खर्च कर सकें। अर्थात वे किसी भी प्रकार से किसी भी वस्तु पर अतिरिक्त खर्च करने में असमर्थ हैं। लोग जरूरत के अलावा सामान या सुविधाएं नहीं खरीद सकते। वहीं, देश के केवल 10 फीसदी लोग, अर्थात 13-14 करोड़ लोग देश की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं, क्योंकि ये लोग ही सबसे ज्यादा खर्च करते हैं और देश की तरक्की में बड़ा रोल निभाते हैं। केंद्र सरकार एक तरफ देश में तरक्की का नया मॉडल पेश करते हुए विकसित भारत की तरफ बढ़ते कदमों का आंकड़ा पेश करती है, वहीं गरीबी और अमीरी की बढ़ती खाई ने इस मॉडल पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ब्लूम वेंचर्स की इंडस वैली की वार्षिक रिपोर्ट 2025 भारत की आर्थिक विषमता की यह तस्वीर पेश करती है। इस रिपोर्ट का सरकार द्वारा किसी तरह प्रतिवाद नहीं किए जाने से साफ जाहिर है कि देश की आर्थिक सेहत एक तरफा जा रही है। अमीरी और गरीबी की खाई का चौड़ा होना जारी है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का उपभोक्ता बाजार बड़े स्तर पर विस्तार नहीं कर रहा है, बल्कि एक ही जगह गहरा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि भले ही अमीर लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो रही है,लेकिन जो लोग पहले से ही अमीर हैं, वे और भी अमीर हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 प्रतिशत भारतीयों (10 सबसे अमीर भारतीय) के पास अब कुल नेशनल आय का 57.7 प्रतिशत हिस्सा है, जो पहले 1990 में 34 प्रतिशत था, जबकि निचले स्तर पर यह हिस्सा पहले के 22.2 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत रह गया है। इसके अलावा, 30 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने हाल फिलहाल खर्च करना शुरू किया है। ये लोग भी अपने खर्च को लेकर बहुत सावधान हैं। खर्च करने वाला वर्ग बढ़ नहीं रहा! आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। 12 लाख रुपए तक कमाई करने वालों को अब इनकम टैक्स नहीं देना होगा,जिससे 92 प्रतिशत वेतनभोगी लोगों को राहत मिलेगी। इसके बावजूद भारत की खपत चीन से 13 साल पीछे है। वर्ष 2023 में भारत में प्रति व्यक्ति खर्च 1,493 डॉलर था, जबकि चीन में वर्ष 2010 में ही ये 1,597 डॉलर था। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में भी हालात ठीक नहीं हैं। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में बढ़ता कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। दिसंबर 2024 तक इस सेक्टर के नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और कुल लोन का 13 प्रतिशत है। अमीर-गरीब के बीच की खाई भारत में कभी छिपी नहीं रही है। यह खाई और चौड़ी हो गई है। माइक्रोफाइनेंस का मतलब है गरीब परिवारों को बिना गारंटी के लोन देना। इन परिवारों की सालाना कमाई 3 लाख रुपये से कम होती है। ज्यादातर महिलाएं इन लोन का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ज्यादा लोन देने की होड़ में हालात बिगड़ गए हैं। बंधन बैंक, इंडसइंड, आईडीएफसी फर्स्ट जैसे बैंकों के एनपीए बढ़ गए हैं। बंधन बैंक के 56,120 करोड़ रुपये के लोन में से 7.3 प्रतिशत एनपीए हो चुके हैं। एनपीए वो कर्ज है जिसकी कोई भी किश्त 180 दिनों तक चुकाने में लेनदार असफल हो जाता है। इसके बाद बैंकों को इस तरह के लोन को एनपीए में डालना होता है। हालांकि इस लोन की वसूली की कोशिश जारी रहती है और कई बार ये पूरा या आंशिक तौर पर वापस मिल जाता है। आंकड़ों के मुताबिक 91 से 180 दिन का बकाया लोन कुल आउटस्टैंडिंग का 3.3 फीसदी है, जबकि 180 दिन से ज्यादा बकाया लोन 9.7 प्रतिशत है। माइक्रोफाइनेंस को लेकर अब संस्थान भी सतर्कता बरत रहे हैं। क्योंकि उन्हें एनपीए अभी और बढने की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन पर रिस्क वेट घटाया इसी बीच बिजनेस लोन पर जोखिम वेट 125 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया है, जिससे बैंकों को राहत मिलेगी। छोटे बैंकों को हो रहे नुकसान को देखते हुए इस नियम में बदलाव से इन्हें फायदा मिल सकता है। देश में बढ़ती आर्थिक असमानता की तरफ पूर्व में चेतावनी मिल चुकी है। 12 अप्रैल 2024 को पेरिस स्थित शोध संगठन वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब की ओर जारी एक शोधपत्र में बताया गया था कि देश के शीर्ष एक फीसद तबके की आमदनी और संपत्ति में हिस्सेदारी अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई है और यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। शोधपत्र के निष्कर्षों में कहा गया है कि साल 2023 तक सबसे अमीर एक फीसद भारतीयों के पास देश की आय का 22.6 फीसद और संपत्ति का 40 फीसद हिस्सा था। इनकम ऐंड वेल्थ इनइक्वेलिटी इन इंडिया,1922-2023 द राइज ऑफ बिल्यनेर राज शीर्षक वाले शोधपत्र के अनुसार आजादी के बाद से 1980 के दशक की शुरुआत तक गैर-बराबरी में कमी आई थी लेकिन इसके बाद इसमें बढ़ोतरी शुरू हो गई और 2000 के दशक की शुरुआत में यह बहुत तेज गति से बढ़ी। देश के शीर्ष एक फीसद लोगों ने 2022-23 में औसतन 53 लाख रुपए कमाए, जो औसत भारतीय की आय से 23 गुना अधिक है जिसने 2.3 लाख रुपए की आय सृजित की। देश के निचले पायदान के 50 फीसद और बीच के 40 फीसद लोगों की औसत आय क्रमश 71, 000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.3 फीसद) और 1,65,000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.7 फीसद) रही सबसे अमीर 9,223 लोगों (9.2 करोड़ वयस्क भारतीयों में से) ने औसतन 48 करोड़ रुपए कमाए (औसत भारतीय आय से 2,069 गुना)। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद निजी उद्यम में वृद्धि और पूंजी बाजार की वृद्धि ने शीर्ष के कुछ ही लोगों के हाथों में संपत्ति का सिमटना बढ़ाया है। उदारीकरण के बाद से सेवा की अगुआई में हुई आर्थिक वृद्धि के भी असमानताकारी असर हुए।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

होली की हुड़दंग में,डूब रहा है देश
भांग पिए बाबा मगर,टुन्न हुए अखिलेश
टुन्न हुए अखिलेश,गजब है राम लुभाया
बिना पिए ही पगलाई हैं अपनी माया
कह सुरेश भउजी देवर संग करे ठिठोली
अनुज कहें संभल में,'बुरा न मानो होली'

भगवंत मान के लिए जी का जंजाल बनता किसान आंदोलन

सीएम भगवंत मान का कहना है कि किसानों ने पंजाब को धरने वाला राज्य बना दिया है। पिछले सोमवार को वह किसान नेताओं की मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले आए। अरविंद केजरीवाल भी इन दिनों पंजाब में विपश्यना कर रहे हैं मगर किसानों की मांगों पर चुप हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद हालात इतनी तेजी से बदले कि किसानों को दिल्ली में धरने के लिए निमंत्रण देने वाली आम आदमी पार्टी की मान सरकार ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री नहीं दी।

पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान एक साल से धरने पर हैं और अब पंजाब के सीएम भगवंत मान की टेंशन बढ़ रही है। हालात अब किसान और पंजाब सरकार के बीच टकराव के स्तर पर पहुंच गई है। आम आदमी पार्टी ने किसान आंदोलन को केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ इस्तेमाल किया मगर अब इन्हीं अन्नदाताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीएम भगवंत मान का कहना है कि किसानों ने पंजाब को धरने वाला राज्य बना दिया है। पिछले सोमवार को वह किसान नेताओं की मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले आए। अरविंद केजरीवाल भी इन दिनों पंजाब में विपश्यना कर रहे हैं मगर किसानों की मांगों पर चुप हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद हालात इतनी तेजी से बदले कि किसानों को दिल्ली में धरने के लिए निमंत्रण देने वाली आम आदमी पार्टी की मान सरकार ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री नहीं दी। पंजाब के किसान एमएसपी की गारंटी समेत अन्य मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की कई मांगें केंद्र के साथ राज्य सरकार से भी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों का धरना एक साल से जारी है। माना जाता है कि पंजाब सरकार आप ने किसानों को दिल्ली का रास्ता दिखाकर आंदोलन को हवा दी थी। आप को उम्मीद थी कि किसान एक बार फिर दिल्ली पहुंचेंगे और केंद्र सरकार की मुसीबत बढ़ जाएगी मगर हरियाणा सरकार ने दोनों बॉर्डर को बंद कर दिया। जानकारों का कहना है कि अगर हरियाणा में सत्ता बदल जाती तो सियासी खेल आसान हो जाता मगर हरियाणा में भाजपा ने हैट्रिक लगा दी और बॉर्डर बंद ही रहा। किसान अभी भी पंजाब की सीमा के भीतर टेंट लगाकर अभी बैठे हैं। अब यह दांव उल्टा पड़ रहा है। किसान कुछ लिए बिना जाना नहीं चाहते,इसलिए किसान केंद्र से पहले पंजाब में किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं हालांकि किसानों की केंद्रीय मंत्रियों से भी बातचीत जारी है। 3 मार्च को सीएम भगवंत मान के साथ 40 किसान नेताओं की मीटिंग भी हुई थी जिसमें गन लाइसेंस रिन्यू करना,एग्रीकल्चर पॉलिसी समेत प्रीपेड इलेक्ट्रिक मीटर समेत 18 मांगों पर चर्चा होनी थी। ये सारे मुद्दे पंजाब सरकार से जुड़े हैं। मीटिंग में माहौल इतना तल्ख हो गया कि सीएम भगवंत मान बीच में ही मीटिंग छोड़कर निकल गए। सूत्रों के अनुसार, सीएम मान ने तल्ख अंदाज में कहा कि पहले भी जो मांगे माने गई हैं, वह भी अब रद्द हो गई हैं। बातचीत फेल होने के बाद किसानों ने बुधवार को चंडीगढ़ कूच का ऐलान किया और पंजाब सरकार से चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में प्रदर्शन करने की मांग की। दिल्ली में धरने की वकालत करने वाली आम आदमी पार्टी ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री की इजाजत नहीं दी। प्रदर्शन के दौरान कई किसान नेता गिरफ्तार किए गए। इसके बाद पंजाब में किसानों ने सीएम भगवंत मान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने आरोप लगाया है कि भगवंत मान सरकार भी वैसा ही व्यवहार कर रही है जैसा केंद्र सरकार करती आ रही है। सर्व विदित है कि फरवरी 2024 में जब किसानों ने दोबारा दिल्ली मार्च शुरू किया तो अरविंद केजरीवाल ने उनका हर संभव समर्थन किया था। जब उनसे पूछा गया कि किसान दिल्ली ही क्यों जाते हैं तो उन्होंने जवाब दिया था कि किसान दिल्ली नहीं तो क्या लाहौर जाएंगे? उन्होंने दिल्ली कूच के मद्देनजर बवाना स्टेडियम को अस्थायी जेल बनाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने हरियाणा से दिल्ली तक किलेबंदी की और किसान दिल्ली नहीं आ पाये। जानकारों का कहना है कि पांच साल पहले जब 2020 में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सिंघु बॉर्डर पहुंचे थे। तब उन्होंने कहा था कि वह किसानों के बीच मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि सेवादार बनकर आए हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आंदोलन कर रहे किसानों को बिजली, पानी समेत तमाम सुविधाएं दिलाने का वादा किया था और सुविधाएं दी भी थी। राजनीतिक दलों के समर्थन के कारण 2020-21 के बीच किसान 379 दिनों तक दिल्ली में जमे रहे। ट्रैक्टर मार्च निकाला और लाल किले में उपद्रव भी हुए। यह बात अलग है कि इस किसान आन्दोलन से जनता को भारी परेशानियां होने के साथ साथ अरबों रुपयों का नुकसान भी हुआ था। 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को दिल्ली में किसानों की सेवा का फल भी मिला। पार्टी शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण इलाकों में विजयी रही हालांकि इस जीत में मुफ्त बिजली, किसानों को लोन माफी और महिलाओं को 1000 रुपये देने जैसे वादों का भी बड़ा रोल रहा था. बताया जा रहा है कि इन वादों को पूरा करने के लिए पंजाब सरकार आज भी बजट का इंतजाम नहीं कर पाई है। अब भगवंत मान सरकार के लिए चुनावी वादे ही गले की हड्डी बन गए हैं। किसानों की मीटिंग से निकलने के बाद भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार को सिर्फ किसानों का ही नहीं बल्कि सभी 3.5 करोड़ पंजाबियों के हितों का भी ध्यान रखना है। उनका कहना था कि प्रदर्शनों से व्यापारियों, व्यवसायियों, छात्रों, कर्मचारियों एवं आमजन को अत्यधिक परेशानी हो रही है। पंजाब की अर्थव्यवस्था रसातल में जाने के साथ -साथ इसकी पहचान धरने वाले स्टेट की बनकर रह गई है। उनका कहना है कि वे किसानों से बातचीत करने को तैयार है लेकिन उन्हें(किसानों को) अराजकता फैलाने की छूट नहीं दी जा सकती। जानकारों की माने तो दिल्ली में जब अरविंद केजरीवाल की सरकार थी,तब किसान आंदोलन के लिए उन्होंने दिल्ली को केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ मंच की तरह इस्तेमाल किया था। अब दिल्ली में सरकार बदल चुकी है। हरियाणा सरकार ने भी रास्ता बंद कर दिया है. ऐसे में किसानों के पास चंडीगढ़ में ही आंदोलन का नया स्टेज बनाने की मजबूरी है। अगर चंडीगढ़ में एक बार किसानों का धरना शुरू हो गया तो केंद्र के बजाय भगवंत मान सरकार निशाने पर आ जाएगी। वहां आम लोगों के लिए आंदोलन से होने वाली दिक्कतों का बोझ उठाना भी आसान नहीं है। अब किसान आंदोलन को पहले जैसा राजनेताओं का समर्थन हासिल नहीं है. पंजाब में चुनावी साल होने के कारण किसान आंदोलन का लम्बे समय तक चलना मान सरकार के लिए किसी भी स्तर पर हितकर नहीं है। वैसे भी दिल्ली में आम आदमी की सरकार नहीं रहने से समय - समय पर चिल्लाने वाले नेताओं की आवाज अब बंद हो गई है।

-रामस्वरूप रावतसरे

संविधान सभा में महिलाओं का अमूल्य योगदान

भारतीय संविधान का निर्माण केवल एक कानूनी दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया नहीं थी बल्कि यह एक नए भारत की सामाजिक और राजनीतिक दिशा तय करने का युगांतकारी प्रयास था। इस प्रक्रिया में जिन 15 महिलाओं ने हिस्सा लिया, उन्होंने अपने विचारों और संघर्षों के माध्यम से संविधान को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाया। संविधान सभा में महिलाओं की संख्या कम थी लेकिन उनके विचार और उनके द्वारा किए गए प्रयास भारतीय लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने में निर्णायक रहे। इन्होंने महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम सुरक्षा, संपत्ति के अधिकार और राजनीतिक भागीदारी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवाज उठाई और यह सुनिश्चित किया कि भारतीय संविधान में महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिले। संविधान सभा की महिला सदस्यों में राजकुमारी अमृत कौर,हंसा मेहता, दुर्गाबाई देशमुख, सरोजिनी नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, रेणुका रे,कमला चौधरी, पुर्निमा बैनर्जी, एनी मस्कारेन, भागनाथी देवी, लीला रॉय, सुचिता कृपलानी, अरुणा आसफ अली, अम्मू स्वामीनाथन और लक्ष्मी मेनन प्रमुख थीं। ये सभी महिलाएँ अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावशाली कार्य कर चुकी थीं और संविधान सभा में भी इन्होंने भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। सभा में एकमात्र मुस्लिम महिला बेगम कुदसिया ऐजाज रसूल धर्मनिरपेक्षता की कट्टर समर्थक थी। वह समावेशी राष्ट्रीय पहचान की समर्थक थी। सभा में पहली दलित महिला श्रीमती दक्षायनी वेलायुधन ने निर्भीकता से अस्पृश्यता का विरोध किया और वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख ने सामाजिक कल्याणकारी नीतियों के निर्माण और महिला शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर भारत के सामाजिक न्याय के प्रारंभिक प्रारूप में योगदान दिया।श्रीमती हंसा जीवराज मेहता ने भारत के मौलिक अधिकारों का प्रारूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि संवैधानिक बहसों में लैंगिक न्याय को महत्ता मिले। राजकुमारी अमृत कौर एक अग्रणी राजनेता, भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों की निर्माता थी और उन्होंने देश में आधुनिक स्वास्थ्य सेवा की नींव रखी। "भारत कोकिला" श्रीमती सरोजिनी नायडू नागरिक स्वतंत्रता की एक मुखर समर्थक थी। उन्होंने भारत के लोकतांत्रिक लोकाचार पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। श्रीमती सुचेता कृपलानी, जो बाद में भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी सभा में एक प्रमुख आवाज़ थी। वह श्रम अधिकारों और शासन सुधारों की समर्थक थी। प्रतिष्ठित राजनयिक श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक शासन में भारत की भूमिका का पुरजोर समर्थन किया। इस पुस्तक में अन्य प्रमुख महिलाओं के योगदान का भी उल्लेख किया गया है जिन्होंने भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक आदर्शों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हंसा मेहता ने प्रस्तावना में "मनुष्य" की जगह "पुरुष और महिला" शब्द जोड़ने की वकालत की, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि संविधान केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महिलाओं को भी समान अधिकार प्रदान करेगा। डॉ. दुर्गाबाई देशमुख ने शिक्षा सुधारों पर विशेष जोर दिया और महिलाओं की उच्च शिक्षा के लिए संवैधानिक प्रावधानों को मजबूत किया। वे आगे चलकर योजना आयोग की सदस्य बनीं और सामाजिक सुधारों में योगदान दिया। सरोजिनी नायडू, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख महिला थीं, ने संविधान सभा में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को लेकर प्रभावशाली तर्क दिए। संविधान सभा की महिला सदस्यों ने कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों के निर्माण में योगदान दिया, जिनका प्रभाव आज भी भारतीय समाज में देखा जा सकता है। इन्होंने समानता, संपत्ति के अधिकार, मातृत्व अवकाश, शिक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 महिलाओं को समानता का अधिकार और सरकारी नौकरियों में समान अवसर प्रदान करते हैं। अनुच्छेद 39 (डी) महिलाओं और पुरुषों के लिए समान कार्य के बदले समान वेतन सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 42 मातृत्व अवकाश और श्रम सुधारों को मजबूती प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 44 समान नागरिक संहिता (UCC) की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम था। पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अनुच्छेद 243 (डी) के तहत आरक्षण की नींव रखी गई, जिसे बाद में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के तहत लागू किया गया। संविधान सभा की महिला सदस्यों के प्रयासों का दीर्घकालिक प्रभाव भारतीय समाज पर पड़ा। इन्होंने सुनिश्चित किया कि महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और राजनीति में समान अवसर मिले। इनके योगदान से ही आगे चलकर महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए सरकार ने विभिन्न योजनाएँ लागू कीं। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ", "विशाखा दिशानिर्देश", और "यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013" जैसे कानून इन्हीं संवैधानिक प्रयासों का परिणाम हैं। संविधान सभा की महिला सदस्यों ने भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका को सुनिश्चित किया और एक ऐसे समाज की नींव रखी, जहाँ पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार मिले। भले ही इनकी संख्या कम थी, लेकिन इनके विचारों ने भारतीय संविधान को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाया। आज, जब हम महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, तो हमें उन महिलाओं को जरूर याद करना चाहिए जिन्होंने एक नया भारत गढ़ने में अपनी भूमिका निभाई।

- जयसिंह रावत

सवाल संसदीय परंपरा का

लगातार दो बार प्रचंड बहुमत से दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने वाली आम आदमी पार्टी (आआपा) आसानी से इस बार विधानसभा चुनाव में हुई हार को पचा नहीं पा रही है। जिसके कार्यकाल में विधानसभा और संसदीय मर्यादा तार-तार हुई हो उसी पार्टी ने विधानसभा की पहली ही बैठक में उसके शासन के भ्रष्टाचार के कारनामों से जुड़े सीएजी (कैग) रिपोर्ट सार्वजनिक करने से बौखला कर विधानसभा को दंगल बनाने की असफल कोशिश की। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आपा विधायकों को विधानसभा के साथ-साथ विधानसभा परिसर से निकाल दिया तो पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी समेत आआपा नेताओं ने इसे संसदीय लोकतंत्र पर हमला बताया। उनके अपने कार्यकाल में न तो नियमों के हिसाब से विधानसभा की बैठक बुलाई जाती थी और न ही विपक्ष को किसी सत्र में ढंग से बोलने दिया जाता था। विपक्ष यानी भाजपा के सदस्य ज्यादातर बैठकों में सदन से बाहर ही रहे। 1993 में दिल्ली विधानसभा का मौजूदा स्वरूप बनने के बाद इसकी नियमावली बनानेवाले दिल्ली विधानसभा और लोकसभा के पूर्व सचिव सुदर्शन कुमार शर्मा का कहना है कि विधानसभा से निष्कासन का मतलब विधानसभा परिसर से निष्कासन हो सकता है- इस पर चर्चा हो सकती है लेकिन वे कैसे सवाल उठा सकते हैं, जिन्होंने विधानसभा में कोई नियम ही लागू नहीं होने दिया। तभी तो दिल्ली संशोधन विधेयक पर बिल पास करवाने से पहले केन्द्रीय गृह मंत्री ने चेतावनी दी थी कि कहीं नियमों को न मानने वालों की सरकार विधानसभा से ही हाथ धो बैठे। आआपा के दिल्ली पर शासन के दौरान दिल्ली में तीन उप राज्यपाल बने और तीनों से उनकी लड़ाई चलती ही रही। आआपा ने कई नई परंपराएं शुरू करके संवैधानिक व्यवस्थाओं को खतरे में डाल दिया था। 2012 में नई पार्टी बनकर पहले 2013 में अल्पमत सरकार नियमों के खिलाफ बिना उप राज्यपाल की अनुमति से जन लोकपाल विधेयक विधानसभा में न लाने देने पर 49 दिन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया। नियमों से परे जाकर सार्वजनिक अवकाश के दिन रामलीला मैदान में विधानसभा बुलाने पर केजरीवाल अड़े रहे। यह अलग बात है कि दो बार भारी बहुमत से सरकार बनने बाद दोबारा उनकी सरकार ने जन लोकपाल की चर्चा भी नहीं की गई। खुद अपने लोकपाल को पार्टी से ही विदा कर दिया। विधान में विधानसभा की बैठक अधिकतम छह महीने पर बुलाने का प्रावधान है। इसी के चलते लोकसभा से विधानसभा तक साल में तीन सत्र होते हैं। साल के शुरू में होने वाली बैठक को बजट सत्र कहा जाता है और उसकी शुरुआत संसद में राष्ट्रपति और दिल्ली में उप राज्यपाल के अभिभाषण से होता है। परंपरा के तौर पर सरकार के कामकाज को ही अभिभाषण में जगह दी जाती है। उस सत्र में इस प्रस्ताव को पास करवाने से लेकर बजट पास किया जाना मुख्य काम रहता है। जुलाई-अगस्त में होने वाले सत्र को मानसून और नवंबर-दिसंबर में होने वाले सत्र को शीतकालीन सत्र कहा जाता है।

- मनोज कुमार मिश्र

आखिर कब तक जारी रहेंगे रियल एस्टेट के गोरखधंधे?

चाहे भूमि हो या सोना, इनकी कीमत अमूमन इसलिए बढ़ती रहती है क्योंकि इसमें देश-दुनिया के 'धनपशुओं' का निवेश होता है। यहां पर 'धनपशुओं' का अभिप्राय उन नेताओं, उद्यमियों, अधिकारियों, सफेदपोश अपराधियों और उन मध्यमवर्गीय पेशेवरों के समझदारी भरे गठजोड़ से है जो अवैधानिक रूप से खूब सम्पत्ति जोड़ते हैं और अपने नेटवर्क को लाभान्वित करते हैं। ऐसे लोग दुनियावी लोकतंत्र और संवैधानिक कानूनों को अपने आर्थिक हितों के मुताबिक समय समय पर मोड़वाते रहते हैं। मसलन, इस खेल में देशी-विदेशी पूंजीपतियों और इन जैसों की एक मजबूत लॉबी होती है जिनकी लक्षित लॉबिंग से अक्सर आम आदमी के दूरगामी हितों को कुचला जाता है। देश-दुनिया में जारी नई आर्थिक नीतियों ने इन्हें बेलगाम कर दिया है। क्रिप्टो करेंसी जैसी समानांतर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा का बढ़ता प्रचलन और अधिकतर कैश लेन-देन में चलने वाले इनके बड़े-बड़े धंधे बहुत कुछ बयां कर जाते हैं। कहीं टैरिफ वार और कभी तस्करी से इन्हीं जैसों को तो फायदा पहुंचता है। आप यदि थोड़ी सी गहराई में जाएंगे तो पाएंगे कि गोल्ड तस्करी और बेनामी जमीन-फ्लैट संपदा सौदा के लिए जो अस्पष्ट कानून हैं, उनका मकसद शायद इन्हें ही लाभान्वित करना होता है। आपने ग्रामीण भू-हदबंदी कानून जैसे शहरी भू-हदबंदी कानून के बारे में कभी नहीं सुना होगा। वह सिर्फ इसलिए कि अधिकतर शहरों में निवास कर रहे धनपशुओं को लाभान्वित किया जा सके। आपने प्रॉपर्टी लेन-देन ये ब्लैक मनी और व्हाइट मनी सम्बन्धी लेने देन की चर्चा धड़ल्ले से सुनी होगी, जो संवैधानिक कानून पर करारा तमाचा है। इतना ही नहीं, सरकारी बैंकों या संस्थाओं को ऐसे लोग चूना लगाते रहें, इसलिए फर्म्स, कम्पनीज़, ट्रस्ट्स, सोसाइटीज आदि को अलग अलग इकाई करार दिया गया, चिट-फंड्स कानून बनाए गए जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। आप यह जानकर हैरत में रह जाएंगे कि जिन लोगों की कम्पनियों को दिवालिया कानून का लाभ मिलता है, व अन्य प्रकार के नीतिगत छूट मिलते हैं, उनके परिजनों, मित्रों, नौकरों के पास भी अकूत सम्पत्ति होती है। ट्रस्ट और सोसाइटी जनसेवा कम, कर वंचना के अड्डे ज्यादा हैं। हमारे देश के ज्यादातर अधिकारी इसलिए अमीर बन जाते हैं कि हर गलत चीज पर आंखें मूंदने के लिए उन्हें 'उपकृत' किया जाता है! शहरों में रियल एस्टेट भी एक अभिजात्य वर्गीय कारोबार है जिसमें बड़े पैमाने पर कालेधन का निवेश किया गया है। यदि आप कहेंगे कि सोने और जमीन, मकान-दुकान-फ्लैट्स की राशनिंग कब होगी, इनमें निवेश की हदबंदी कौन करेगा, इन्हें आधार कार्ड से कौन जोड़ेगा, तो नेताओं-अधिकारियों को सांप सूंघ जायेगा। वहीं, शहरों में प्रॉपर्टी खरीद-बिक्री के साथ-साथ रेंटल धंधे में भी कई प्रकार की अनियमितता की बात बताई जाती है। ऐसा नहीं कि इन्हें नियमित किये जाने के लिए कानून नहीं बनाए जाते बल्कि उनमें भी सुराग छोड़ दिये जाते हैं और जमीन पर अनुपालन करवाने में प्रशासनिक ढिलाई बरती जाती है। सरकार ने रेरा कानून भले बना दिए, फिर भी रियल एस्टेट के धंधे में अनियमितता पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। पूर्व के प्रोजेक्ट्स की भी सही जांच नहीं हुई है अन्यथा अबतक कई मामले प्रकाश में आए होते, खासकर नक्शे से ज्यादा फ्लैट्स बनाने व बेचने के। रेरा अधिकारियों को इस पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। वहीं, आवासीय इलाकों में अवैध व्यवसायिक उपयोग भी सुलगता सवाल है जिस पर स्पष्ट नीति का अभाव महसूस किया जा रहा है। अवैध कॉलोनियों और झुग्गियों की बाढ़ का भी सही समाधान अबतक नहीं मिला। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि आखिर कब तक जारी रहेंगे रियल एस्टेट के गोरखधंधे? दरअसल, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कुछ रियल एस्टेट कंपनियों और उन्हें लोन देने वाले कुछ बैंकों की ओर से घर खरीदारों को बंधक बनाए जाने के मामले में कड़ी आपत्ति जताई है। अदालत ने साफ कहा है कि लोगों ने अपनी गाढ़ी कमाई लगाई लेकिन मजबूर कर घर खरीदार को बंधक बना दिया गया। लिहाजा, कोर्ट ने बिल्डर-बैंकों के गठजोड़ की जांच के लिए सीबीआई को मामला सौंपने के संकेत दिए हैं। इससे मामले की गम्भीरता को समझा जा सकता है। यह तो महज बानगी है।

- कमलेश पांडेय

भारत-माला में भ्रष्टाचार... सीबीआई जांच की मांग पर विधानसभा में हंगामा

महंत बोले-पिछली सरकार का घोटाला मानकर जांच कराइए, सीएम बोले-कांग्रेस ने तो सीबीआई को बैन किया था

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारत माला परियोजना में भ्रष्टाचार को लेकर विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान विभागीय मंत्री टंकराम वर्मा ने भ्रष्टाचार होने की बात स्वीकार की। उन्होंने हंगामे के बीच संभागीय आयुक्त से जांच कराने की घोषणा की, लेकिन विपक्ष CBI जांच की मांग पर अड़ा रहा। इस दौरान CM विष्णुदेव साय ने नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की मांग पर कहा कि कांग्रेस की सरकार ने तो CBI को बैन किया था। वहीं बीजेपी विधायक रिकेश सेन ने कहा कि कांग्रेस को अब केंद्रीय एजेंसियों पर भरोसा कैसे हो गया, जो लोग CBI को बैन करते हैं और ED पर सवाल उठाते हैं, वे अब खुद जांच की मांग कर रहे हैं।

मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा-भारत माला परियोजना में गड़बड़ी हुई-विधानसभा में चर्चा जारी होने के बाद रकबे के टुकड़े कर दिए गए। पहले से अधिकृत

के दौरान राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने स्वीकार किया कि भारतमाला परियोजना में अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि अधिसूचना भूमि का दोबारा भू-अर्जन किया गया।

नेता प्रतिपक्ष ने CBI जांच की मांग की -नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सरकार के जवाब पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि सिर्फ विभागीय जांच से दोषियों को बचने का मौका मिल जाएगा। यह एक बड़ा घोटाला है, जिसमें कई प्रभावशाली लोग शामिल हो सकते हैं। दोनों राजनीतिक दलों के लोग भी इसमें मिले हो सकते हैं। महंत ने कहा कि सिर्फ निलंबन से कुछ नहीं होगा, बल्कि दोषी अधिकारियों पर FIR दर्ज कर उन्हें जेल भेजना चाहिए। निलंबन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे दोषी कुछ समय बाद फिर बहाल हो जाते हैं और उसी तरह से काम करते हैं।

जांच में कोताही नहीं बरती जाएगी- साय -मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने CBI जांच की मांग पर विपक्ष को घेरा और कहा कि राजस्व मंत्री ने अच्छे से जवाब दिया है। अगर जांच में कोई शिकायत होगी तो हमें बताइएगा। इसमें कोई कोताही नहीं बरती जाएगी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने ही CBI को प्रदेश में बैन कर दिया था। अब वही कांग्रेस CBI जांच की मांग कर रही है।

विधायकों की समिति से जांच की मांग -वहीं नेता प्रतिपक्ष ने विपक्ष के विधायकों की समिति बनाकर जांच कराने की मांग की, लेकिन सरकार ने खारिज कर दिया। आयुक्त से जांच कराने का निर्णय लिया। इससे नाराज विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया। वॉकआउट के बाद चरणदास महंत ने भ्रष्टाचार के खिलाफ हाईकोर्ट जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है, इसलिए विपक्ष को कानूनी रास्ता अपनाना पड़ेगा।

अमन साव का शव लेने नहीं पहुंचे परिजन

पिता ने कहा-पुलिस ने जैसे मारा है, उसी तरह डेडबॉडी लाकर दे

रांची/पलामू। कुख्यात गैंगस्टर अमन साव के एनकाउंटर के बाद उसके परिजनों ने शव लेने से मना कर दिया है। अमन साव के पिता का कहना है कि वे लोग पलामू नहीं जाएंगे। बल्कि पुलिस ने जिस तरह से अमन साव को मारा है, उसी तरह उनके बेटे के शव को पुलिस लाकर दे।

दरअसल,अमन साव के एनकाउंटर के बाद FSL की टीम मंगलवार की देर शाम घटनास्थल पहुंच कर जांच की। इसके बाद अमन साव की बॉडी को पलामू जिला प्रशासन के निर्देश पर मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया। पलामू के ही मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज में देर रात डॉक्टरों की 5 सदस्यीय टीम ने गैंगस्टर के शव का पोस्टमॉर्टम किया। पोस्टमॉर्टम करने वाली डॉक्टरों की टीम में डॉ विजय सिंह, डॉ आरके रंजन, डॉ एस के गिरी, डॉ उदय कुमार व डा सुशील पांडेय शामिल थे।

परिजनों का इंतजार कर रही पुलिस -इधर, पोस्टमॉर्टम के बाद बॉडी को पलामू में ही मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज में रखा गया है। पुलिस परिजनों के आने का इंतजार कर रही है। SDPO मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को जानकारी दे दी गई है। अभी तक परिजन पलामू नहीं पहुंचे हैं। अमन साव के अंतिम संस्कार और बॉडी लाने को लेकर परिजनों से बात की गई, लेकिन उनकी ओर से कुछ भी साफ नहीं बताया गया। अमन के पिता निरंजन साव ने कहा, हमलोग नहीं जाएंगे। पुलिस डेडबॉडी घर लाकर पहुंचाए। पुलिस ने जैसा मारा है उसी तरह बॉडी लाकर दे।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद खुलासा -अमन साव का पोस्टमॉर्टम किया जा चुका है। अभी रिपोर्ट आना बाकी है। रिपोर्ट आने के बाद ही चीजें स्पष्ट होंगी। अमन साव को कितनी गोली लगी है, इसे लेकर अलग-अलग तरह की बातें हैं। खबरों के मुताबिक अमन साव को तकरीबन 8 गोली लगी है। जिसमें से एक गोली छाती के बाएं हिस्से में फंसने की बात सामने आ रही है। इसके अतिरिक्त जांघ के दाहिने हिस्से में भी गोलियों के निशान हैं। उसके दोनों हाथ भी जले हुए हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि ऐसा बम फटने की वजह से हुआ है। इस पूरे मामले की जांच का जिम्मा शहर इंस्पेक्टर सुरेश राम को दिया गया है।

हिमाचल विधानसभा का 27 मार्च को बीजेपी करेगी घेराव

बिंदल बोले- सदन के भीतर व बाहर सरकार को घेरा जाएगा, कांग्रेस झूठ बोलने में पीएचडी

शिमला। हिमाचल में भारतीय जनता पार्टी 27 मार्च को विधानसभा के बाहर बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि महा धरने के माध्यम से कांग्रेस सरकार की नाकामियों को उठाया जाएगा। राजीव बिंदल ने कहा कि अगर झूठ बोलने में कोई सरकार पीएचडी है तो वह वर्तमान कांग्रेस सरकार है। छह गारंटियां पूरी नहीं की गई और बातें बड़ी-बड़ी की जा रही है। उन्होंने कहा, सरकार का ढाई साल का कार्यकाल नाकामियों से भरा रहा है। बिंदल ने कहा, कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री के मित्रों की मौज है। आम जनता परेशान है। सुक्खू सरकार में हर कोई परेशान है और लोग ठगा महसूस कर रहे हैं।

विधानसभा के अंदर बाहर घेरेगी बीजेपी-जयराम ठाकुर ने कहा कि विधानसभा के अंदर भी और बाहर भी भाजपा वर्तमान कांग्रेस सरकार को घेरेगी। अभी

तीसरा बजट सत्र चल रहा है और कांग्रेस सरकार केवल मात्र घोषणा पर घोषणा कर रही है, जिसमें से एक भी घोषणा पूरी नहीं हो रही है।

झूठे वादे, झूठे बातों वाली कांग्रेस सरकार-जयराम ने कहा, झूठी कांग्रेस, झूठी घोषणा का नारा प्रदेश में चल रहा हैं। वर्तमान सरकार केवल मात्र झूठे वादे, झूठे बातों वाली सरकार बन कर रह गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के खिलाफ काफी सारे मुद्दे है। उन्होंने कहा, प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप है। नशे एवं चिट्टे का परिचालन एक गंभीर मुद्दा बन गया है। विधानसभा में सरकार चर्चा पर गंभीर नहीं है। ट्रांसफर, वन, नशा, खनन और भू माफिया सक्रिय है। इन सबको सरकार का संरक्षण है।

2 महीने में 10 की नशे की ओवरडोज से मौत-जयराम ने कहा, प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तहस नहस कर दिया गया है। दो माह में 10 से ज्यादा मृत्यु नशे के ओवरडोज से हो गई है, सामाजिक सुरक्षा पेंशन कई महीनो से नहीं मिल रही। विधायक निधि भी नहीं मिल रही। हिमाचल में केवल मात्र झूठ का बोलबाला है और झूठे आश्वासन का बोलबाला है।

असली होली नवंबर में होगी, जब फिर एनडीए सरकार आएगी

पटना में चिराग का होली मिलन समारोह, जमकर उड़ाए रंग-गुलाल

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पार्टी कार्यालय में बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस बार होली के रंग बिहार में नया इतिहास लिखने जा रहे हैं। यह तो खुशियों के रंगों की बस शुरुआत भर है, असली होली तो नवंबर के महीने में होगी, जब बिहार में एक बार फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनेगी। आगे चिराग बोले कि-जब बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच वाली सरकार बनेगी, तब हम असली होली मनाएंगे। बिहार की

जनता बदलाव के लिए तैयार है। आगामी चुनाव में एनडीए को भारी जनसमर्थन मिलेगा। जनता इस बार स्पष्ट रूप से विकास, सुशासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को समर्थन देने का मन बना चुकी है। इस मौके पर पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक अंदाज में रंग-गुलाल उड़ाए गए और एक-दूसरे को होली की बधाइयां दी गईं। पूरे माहौल में उत्साह और उल्लास देखने को मिला।

कार्यक्रम में उमड़ी लोगों की भीड़ -होली मिलन समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। हर कोई एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दे रहा था। मंच पर चिराग पासवान के आते ही कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की और पूरे माहौल को जोशीला बना दिया। चिराग पासवान ने सभी बिहारवासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि वे मिल-जुलकर इस पर्व को मनाएं और प्रदेश की तरक्की के लिए एकजुट रहें।

जमीन के लिए दामाद ने ससुराल में चलाई गोली, गिरफ्तार

पटना। पटना में एक दामाद ने अपनी ससुराल में जमीन हथियाने के लिए फायरिंग कर दी। घटना मंगलवार देर रात ही है। इसका सीसीटीवी बुधवार को सामने आया है। फुटेज में आरोपी को कमर से पिस्टल निकालकर फायरिंग करते हुए दिख रहा है। वहीं, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। सास शकुंतला देवी ने बताया कि आरोपी दामाद रात में घर आया और दरवाजा खटखटाने लगा। जब दरवाजा नहीं खोला गया तो उसने फायरिंग कर दी। उन्होंने कहा कि आरोपी अकबरपुर नया टोला स्थित उनके घर को अपने नाम करवाने का दबाव बनाता है। वह पहले भी कई बार मारपीट कर चुका है।

पति जान से मारने की देता है धमकी -आरोपी की पत्नी प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका है। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनकी मां को जान से मारने की नीयत से गोली चलाई गई। उन्होंने कहा कि पति अक्सर जान से मारने की धमकी देता है। इस घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है। पहले भी आरोपी ने सास का गला दबाने का प्रयास किया था। पड़ोसी सौरव कुमार ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी आरोपी ईंट-पत्थर से घर पर हमला कर चुका है। बाढ़ थाना अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार-एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके बाद आरोपी की पहचान कर छापेमारी की गई। फायरिंग करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। जांच में पता चला कि दोनों साढ़ू हैं। आपस में इनका पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिसके कारण इस घटना को अंजाम दिया गया है।

शिमला में पुलिस चौकी का घेराव

नशे से युवक की मौत से जनता में रोष

शिमला। शिमला के उपनगर संजौली में चिट्टे की ओवरडोज से एक युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने बुधवार को पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया। आक्रोषित लोगों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने छह घंटे तक संजौली थाने के बाहर और चौक पर धरना दिया। दिलचस्प बात यह है कि प्रदर्शन करने वालों में सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के पार्षद भी शामिल है। पार्षदों समेत स्थानीय लोगों ने चिट्टे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, पुलिस चिट्टा तस्करों को गिरफ्तार कर लेती है और कुछ दिन बाद तस्करों को बरी कर दिया जाता है। प्रदेश में बीते दो महीने के दौरान 18 से ज्यादा युवाओं की नशे की ओवर डोज से मौत हो गई है। बीती शाम को भी एक युवक की संजौली के एक होटल के टॉयलेट में नशे की ओवरडोज से मौत हुई है। इससे नाराज लोगों ने आज थाने के बाहर ही प्रदर्शन किया। नगर निगम के पार्षद नरेंद्र ठाकुर, विनय शर्मा और अंकुश वर्मा के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने कुछ देर के लिए चक्का जाम भी किया। प्रदर्शनकारी एसपी के मौके पर आने की चेतावनी के साथ शाम छह बजे भी धरने पर डटे रहे। पार्षद नरेंद्र ठाकुर ने कहा कि शहर में खुलेआम चिट्टे की बिक्री हो रही है। उन्होंने विधानसभा के चल रहे बजट सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि सभी 68 विधायकों को चिट्टे के खिलाफ सख्त कानून लाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर नशे के खिलाफ कड़े कानून नहीं बनाए गए तो आने वाले दिनों में शिमला में उग्र आंदोलन किया जाएगा। बता दें कि बीते कल संजौली में एक निजी रेस्टोरेंट के टॉयलेट में एक युवक मृत अवस्था मे मिला था। शिमला शहर में एक महीने के भीतर यह चौथी मौत है। ऐसे में लोगों में नशे के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है।

होली पर होगी स्पेशल जयपुर कलर रन

रंगों और संगीत के बीच 13 मार्च को दौड़ेंगे शहरवासी

जयपुर। जयपुरवासी इस बार होली का त्योहार रंगों, गुलाल, फूलों और लाइव संगीत के बीच दौड़ते हुए एक अनूठे अंदाज में मनाएंगे। अवसर होगा, जयपुर रनर्स क्लब की ओर से आयोजित जयपुर कलर रन, जो 13 मार्च को होली के दिन सुबह 7 बजे गांधी सर्किल, महात्मा गांधी रोड से शुरू होगा। हेल्दी लाइफस्टाइल को प्रमोट करने वाले जयपुर रनर्स क्लब के को-फाउंडर मुकेश मिश्रा, रवि गोयनका और अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया ने बताया कि जयपुर कलर रन एक फन रन है, जिसमें प्रतिभागी चार किलोमीटर की दौड़ पूरी करके हेल्दी और हैप्पी रहने का संदेश देंगे।

पहली बार भारत में हो रहा जयपुर कलर रन -दुनियाभर के विभिन्न देशों में आयोजित होने वाली कलर रन की शुरुआत भारत में पहली बार जयपुर से हो रही है। यह रन 4 किलोमीटर की होगी, जिसमें 2 किलोमीटर के दो राउंड होंगे। प्रतिभागी अलग-अलग कलर ज़ोन से गुजरेंगे, जहां उन्हें रंगों और फूलों से सराबोर किया जाएगा। हर 400 मीटर पर एक कलर जोन होगा, जहां अलग-अलग रंगों के साथ वालंटियर्स हर्बल गुलाल और फूल बरसाएंगे। यह रन न सिर्फ फिटनेस को प्रमोट करेगी, बल्कि जिंदगी की दौड़ को रंगीन बनाने का संदेश भी देगी। इसके अलावा, हर जोन में ढोल और लाइव म्यूजिक इस दौड़ को और भी रोमांचक बनाएगा। जयपुर रनर्स क्लब के को-फाउंडर मुकेश मिश्रा ने बताया कि इस इवेंट का मकसद स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना और होली के रंगों को एक नए अंदाज में मनाना है।

हरियाणा बजट सत्र : बीजेपी विधायक बोले- मैंने भी हुड्डा साहब को पर्ची दे रखी, पूर्व सीएम भड़के, कहा- अटैची कांड याद है ना

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में आज चौथे दिन की प्रश्नकाल की कार्यवाही और शून्यकाल के बाद गवर्नर के अभिभाषण पर चर्चा हुई। एक घंटे तक सदन की कार्यवाही स्थगित रही। शाम को सदन में उस समय हंगामा हो गया, जब गवर्नर एड्रेस पर चर्चा करते हुए BJP विधायक राम कुमार गौतम ने कह दिया कि पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर की सरकार में सूबे में मेरिट से नौकरी मिलनी शुरू हुई। मैंने भी हुड्डा साहब को पर्ची दे रखी है। इस पर तुरंत पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा, मेरी बात कर रहा है, अपनी बात क्यों नहीं कर रहा। HPSC में अटैची कांड आपकी सरकार में हुआ। इसे लेकर सदन में हंगामा हुआ। इसके अलावा नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद ने कह दिया कि कुछ असामाजिक तत्व गौ रक्षकों के वेश में आकर मुसलमानों पर हमला कर रहे हैं। इसको लेकर सदन में हंगामा हो गया। मंत्री विपुल गोयल और कृष्ण बेदी ने इस पर आपत्ति प्रकट की। इसके बाद

आफताब अहमद ने पलवल की घटना का जिक्र किया। इसे लेकर भी सत्ता पक्ष के लोगों ने आपत्ति प्रकट की। स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया।

CM नायब सैनी बोले- प्रदेश में होगी वक्फ बोर्ड के मामले की जांच, कमेटी गठित -इससे पूर्व सदन के दूसरे सत्र में CM नायब सैनी ने पीर बोधी तालाब मामले पर जवाब देते हुए कहा कि मंडल आयुक्त रोहतक की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। इसमें करनाल के मंडलायुक्त भी होंगे। यह कमेटी इस पूरे मामले की गहनता से जांच करेगी। पूरे प्रदेश में यदि कहीं भी शामलात भूमि को वक्फ बोर्ड में दर्ज करा दिया गया है, उसकी डिटेल्स खंगाली जाएगी। उधर, सदन के प्रथम सत्र की कार्यवाही में कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने कल सदन में भाजपा विधायक और कैबिनेट मंत्री के बीच हुई तीखी नोकझोंक का मुद्दा उठाया। कांग्रेस विधायकों ने हंगामा भी किया। स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा- कोई भी सदन की मर्यादा भंग करता है तो कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कांग्रेस विधायकों को सदन में हंगामा करने से मना भी किया। इस पर कुछ कांग्रेस विधायक सदन से वॉकआउट कर गए। वहीं, कांग्रेस विधायक मामन खान ने नकल के मामले में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

छत्तीसगढ़ में होली के दिन बदला नमाज का समय

दोपहर 2-3 बजे के बीच अदा की जाएगी नमाज, वक्फ-बोर्ड ने सभी जिलों में भेजा सर्कुलर

रायपुर। यूपी के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी जुमे की नमाज के समय में बदलाव किया गया है। होली के दिन मस्जिदों में दोपहर 1 बजे होने वाली नमाज अब 2 से 3 बजे के बीच होगी। सभी मस्जिदों के बोर्ड को पत्र भेजा गया है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने दैनिक भास्कर से बताया कि सांप्रदायिक सौहार्द के मद्देनजर इस निर्णय को लिया जा रहा है। देर शाम तक आदेश जारी हो जाएगा। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के निर्णय का बीजेपी ने स्वागत किया है।

जोहर की नमाज घर में पढ़ें-छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड -डॉ. सलीम राज ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के लोग जुमे की नमाज अदा करते हैं। दोपहर 12 बजे जोहर की नमाज होती है। नमाजी नमाज अदा करने के लिए मस्जिद की ओर निकलेंगे। इस दौरान होली भी खेली जाएगी। ऐसे में किसी से विवाद की स्थिति न बने, इसलिए नमाज की टाइमिंग बदली गई है।

कांग्रेस नेता बोले- विवाद ना करें -छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता सलीम रिजवी ने हिंदू और मुस्लिम समुदाय से होली के दिन विवाद ना करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बहुत से मस्जिद के मुतवल्लियों और कमेटियों ने दोपहर 2 बजे के बाद नमाज का वक्त रखा है। यही अच्छी बात है।

बीजेपी बोली- बोर्ड के फैसले का हम स्वागत करते हैं -बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि बोर्ड के फैसले का हम स्वागत करते हैं। अगर सुबह होली खेली जाएगी और दोपहर में नमाज पढ़ी जाएगी तो ये बोर्ड का अच्छा निर्णय है। कांग्रेस को ये फैसला गलत लग सकता है, क्योंकि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है। बीजेपी सबका साथ सबका विकास चाहती है।

रायपुर पुलिस भी अलर्ट मोड पर -रायपुर एसएसपी लाल उमेंद्र सिंह ने दैनिक भास्कर को बताया, कि होली के दौरान किसी तरह का विवाद ना हो, इसलिए रायपुर पुलिस भी अलर्ट मोड पर है। त्योहार शांति पूर्वक रहे, इसलिए रायपुर में 80 नाके लगाकर जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़कों पर लगातार 48 घंटे पुलिस मुस्तैद रहेगी। सेंसिटिव इलाकों में पुलिस लगातार गश्त करेगी। विवाद करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। ष्टष्टङ्क कैमरों से निगरानी की जाएगी। राजपत्रित अधिकारियों की टीम मॉनिटरिंग करेगी।

होलिका दहन पर सुख-समृद्धि के लिए करें यह काम

होली के पहले दिन होलिका दहन और दूसरे दिन रंग का पर्व मनाया जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होलिका-दहन किया जाता है, जिसे छोटी होली भी कहते हैं। इस बार 13 मार्च गुरुवार को होलिका-दहन किया जाएगा और 14 मार्च को रंग का त्योहार मनाया जाएगा। देश के कुछ हिस्सों में 15 मार्च को भी होली का पर्व मनाया जाएगा। पंचांग के अनुसार 13 मार्च को उदय तिथि चतुर्दशी है, लेकिन 13 मार्च को सुबह 10:35 बजे पूर्णिमा लग जाएगी। 13 मार्च की सुबह 10:35 से 14 मार्च दोपहर 12:24 तक पूर्णिमा व्याप्त रहेगी। संध्याकाल के समय पूर्णिमा 13 मार्च को उपस्थित रहेगी। इसलिए होलिका दहन 13 मार्च को किया जाएगा। इस बार 13 मार्च होलिका दहन वाले दिन सुबह 10:35 बजे से रात 11:29 बजे तक भद्रा रहेगी।

होलिका दहन के दिन करें यह उपाय

- होलिका दहन में गूलर, नीम या अरंड के पेड़ की सूखी लकड़ियों को जलाएं।
- इस दिन सुखी वैवाहिक जीवन के लिए राधा-कृष्ण की पूजा करना बेहद शुभ माना गया है।
- होलिका दहन से पहले अग्निदेव की विधि-विधान से पूजा की जाती है।
- होली के दिन घर के मुख्य द्वार पर गुलाल छिड़कें और उस पर दोमुखा दीपक जलाएं। दीपक बुझ जाए तो उसे होलिका की अग्नि में डाल दें।
- सुख-समृद्धि के लिए परिवार के प्रत्येक सदस्य को होलिका में घी में भिगोई हुई दो लौंग, एक बताशा और एक पान का पत्ता चढ़ाना चाहिए।
- होलिका की 11 परिक्रमा कर सूखे नारियल की आहुति देनी चाहिए।

होली पर मेहंदी के इन 5 खूबसूरत डिजाइन से सजाएं अपने हाथ

होली का त्योहार आते ही चारों तरफ खुशियों के रंग बिखरने लगते हैं। घर-आंगन में गुलाल उड़ता है, पिचकारी की धारें रंग बिखेरती हैं और चेहरे पर मुस्कान खिल उठती है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि इस होली पर सिर्फ गुलाल ही नहीं, बल्कि मेहंदी भी आपके त्योहार के लुक को और खास बना सकती है?

अक्सर मेहंदी को शादियों या करवा चौथ जैसे पारंपरिक मौकों पर लगाया जाता है, लेकिन अब ट्रेंड बदल चुका है! होली पर भी मेहंदी लगाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अगर आप इस बार अपनी होली को और भी रंगीन और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो खूबसूरत मेहंदी डिजाइन्स के साथ अपने हाथों की शोभा बढ़ाएं। हम आपके लिए लाए हैं कुछ बेहतरीन होली स्पेशल मेहंदी डिजाइन्स जो आपके लुक को और भी ट्रेंडी और आकर्षक बना देंगे। इन डिजाइन्स में आप पिचकारी, गुलाल, फूलों और मोर की थीम को भी शामिल कर सकती हैं। तो देर किस बात की? आइए देखते हैं इस बार होली पर कौन-से मेहंदी डिजाइन्स ट्रेंड में हैं।

होली स्पेशल मेहंदी डिजाइन-1

होली के शुभ मौके पर आप इस मेहंदी डिजाइन को अपने हाथों पर उतार सकती हैं। इसकी खासियत यह है कि यह होली के फेस्टिव वाइब से पूरी तरह मेल खाती है। इसमें गुलाल के छींटे, पिचकारी, गुब्बारे और 'Happy Holi' जैसी थीम बेस्ड आकृतियां उकेरी जाती हैं, जो इसे एकदम अलग और खास बनाती हैं। इसे बनाने में ज्यादा वक्त नहीं लगता और अगर आप चाहें, तो इसे कलरफुल मेहंदी कोन से भी ट्राई कर सकती हैं, जिससे यह और भी खूबसूरत लगेगा। अगर आप इस होली पर एक फेस्टिव और फंकी लुक चाहती हैं, तो यह डिजाइन बेस्ट रहेगा।

होली स्पेशल मेहंदी डिजाइन-2

अगर आप सिंपल लेकिन क्लासी मेहंदी डिजाइन की तलाश में हैं, तो अरेबिक स्टाइल मेहंदी से बेहतर कोई विकल्प नहीं हो सकता। खास बात यह है कि इसे लगाने में ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती और यह बहुत जल्दी बन जाती है। इसमें फ्लोरल पैटर्न्स और बेलों का खूबसूरत कॉम्बिनेशन होता है, जो हाथों पर बेहद आकर्षक लगता है। अगर आप वेस्टर्न आउटफिट के साथ मेहंदी लगाना चाहती हैं, तो यह स्टाइलिश डिजाइन आपके लुक को और भी एलीगेंट बना देगा। इसे देखकर कोई भी कहेगा कि आपने अपनी होली लुक के लिए एकदम परफेक्ट डिजाइन चुना है।

होली स्पेशल मेहंदी डिजाइन-3

अगर आप इस होली पर कुछ ट्रेडिशनल और कलात्मक ट्राई करना चाहती हैं, तो रंगोली इंस्पायर्ड मेहंदी डिजाइन आपके लिए बेस्ट चॉइस होगी। यह डिजाइन देखने में जितनी खूबसूरत लगती है, उतनी ही आसान और फास्ट बनती भी है। इसमें गोलाकार रंगोली पैटर्न, ज्योमेट्रिक डिजाइन और फूल-पत्तियों की डिटेलिंग होती है, जो इसे अलग लुक देती है। इस डिजाइन की खास बात यह है कि अगर आप पहली बार मेहंदी लगा रही हैं, तो भी इसे बनाना बहुत आसान होगा। अगर आप होली के दिन जल्दी में कोई यूनिक मेहंदी डिजाइन चाहती हैं, तो यह परफेक्ट ऑप्शन रहेगा।

बेदाग और निखरी त्वचा के लिए बदल डालें खानपान से जुड़ी आदतें

क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी त्वचा पर दूध जैसी निखरी और बेदाग चमक कैसे आ सकती है? क्या आप भी चाहते हैं कि आपके चेहरे पर वो नेचुरल शाइन हो, जो सिर्फ टीवी सीरियल या फिल्मों में ही देखी जाती है? अगर हां, तो आपको महंगी क्रीम, फेशियल या ब्यूटी ट्रीटमेंट्स की जरूरत नहीं है! दरअसल, आपकी त्वचा का निखार और चमक आपकी कुछ आदतों पर ही निर्भर करता है। हां, सही पढ़ा आपने! आपके खाने-पीने की आदतें ही आपकी त्वचा को बेदाग और निखरी बना सकती हैं। हम सब जानते हैं कि हर दिन तनाव, प्रदूषण और अनहेल्दी खानपान हमारे चेहरे पर असर डालता है, लेकिन अगर आप अपनी डाइट में कुछ आसान बदलाव करें, तो आपकी त्वचा की रंगत बदल सकती है। यह बदलाव न केवल आपकी त्वचा को जवां और सुंदर बनाएंगे, बल्कि यह आपको अंदर से भी हेल्दी महसूस कराएंगे। आइए जानें।

सही मात्रा में पानी पिएं

पानी आपकी त्वचा के लिए सबसे बेहतरीन नेचुरल टॉनिक है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा पर हमेशा निखार हो, तो आपको दिनभर में 8-10 गिलास पानी पीने की आदत डालनी होगी। पर्याप्त पानी पीने से त्वचा हाइड्रेटेड रहती है और अंदर से साफ-सुथरी होती है। यह न केवल आपके चेहरे की चमक बढ़ाता है, बल्कि त्वचा की समस्याओं जैसे सूखापन, झुर्रियां और मुंहासे को भी दूर करता है। इसके अलावा, पानी शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करता है, जिससे आपका चेहरा साफ और बेदाग नजर आता है।

ताजे फल और सब्जियों खाएं

हमारे शरीर को हेल्दी रखने के लिए ताजे फल और सब्जियां बेहद जरूरी हैं। खासकर विटामिन C, एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स से भरपूर फल और सब्जियां आपकी त्वचा को पोषण देती हैं। खीरा, गाजर, टमाटर, संतरा, और पपीता जैसे फूड्स आपकी त्वचा को अंदर से निखारते हैं और उसे नई जान देते हैं। ये न सिर्फ चेहरे को चमकदार बनाते हैं, बल्कि आपकी त्वचा को कोमल और जवां भी रखते हैं।

तला-भुना खाने से करें परहेज

आजकल की फास्ट लाइफ में तला-भुना और मसालेदार फूड्स काफी लोग खाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये आपकी त्वचा के लिए कितने हानिकारक हो सकते हैं? चिकनाई और तले हुए भोजन से त्वचा पर पिंपल्स, दाग-धब्बे और ब्लैकहेड्स हो सकते हैं। इसलिए जितना हो सके, इनसे बचें और सादी और पोषक तत्वों से भरपूर डाइट को प्रेफरेंस दें। फल, सब्जियां, दालें आपकी त्वचा को न केवल हेल्दी रखती हैं, बल्कि चेहरे की चमक भी बढ़ाती हैं।

मीठा खाना करें कम

मिठाइयों और शुगर का ज्यादा इनटेक आपकी त्वचा पर कील-मुंहासे और दाग-धब्बे पैदा कर सकता है। चीनी ब्लड में शुगर का स्तर बढ़ाती है, जो कि हार्मोनल असंतुलन का कारण बनता है, जिसके चलते त्वचा पर दाग-धब्बे और ब्रेकआउट्स हो सकते हैं। इसलिए, मिठाइयों की जगह आप शहद या मेपल सिरप जैसे नेचुरल स्वीटनर्स को चुनें।

ऐसे करें असली और नकली मावा की पहचान..

होली के मौके पर मीठे का मजा न लिया जाए, तो त्योहार अधूरा-सा लगता है। गुजिया, लड्डू, गुलाब जामुन और न जाने कितनी स्वादिष्ट मिठाइयां इस मौके पर हर घर में बनती हैं या बाजार से लाई जाती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन्हीं मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाला मावा (खोया) मिलावटी भी हो सकता है, जो आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकता है? आजकल मिठाइयों की बढ़ती डिमांड को देखते हुए कई दुकानदार नकली मावा बेचते हैं, जिसमें सिंथेटिक दूध, स्टार्च और केमिकल मिलाए जाते हैं। इससे फूड प्वाइजनिंग, पेट दर्द, लिवर डैमेज और कई दूसरी बीमारियां हो सकती हैं। हालांकि, घबराने की जरूरत नहीं है! यहां हम आपको असली और नकली मावा की पहचान करने के कुछ आसान तरीके बता रहे हैं, जिससे आप खुद ही पता लगा सकते हैं कि आपकी मिठाई में क्या मिला है।

मावा की खुशबू से करें पहचान

असली मावा की हल्की सी मीठी और ताज़ी खुशबू होती है, जबकि नकली मावा में तेज गंध आ सकती है या फिर उसमें कोई खास खुशबू नहीं होगी। अगर मावा तेल जैसा या चिपचिपा लगे, तो समझ जाइए कि उसमें मिलावट हो सकती है।

हाथ से दबाकर करें टेस्ट

थोड़ा सा मावा लें और उंगलियों से दबाएं। असली मावा थोड़ा दानेदार और हल्का चिकना होगा, जबकि नकली मावा जरूरत से ज्यादा मुलायम और चिपचिपा महसूस होगा।

आयोडीन टेस्ट से पकड़ें मिलावट

अगर आप पक्की जांच करना चाहते हैं, तो आयोडीन से टेस्ट करें। एक चम्मच मावा लें, उसमें कुछ बूंदें आयोडीन टिंचर डालें। अगर रंग नीला पड़ जाता है, तो समझिए कि मावे में स्टार्च मिला हुआ है। असली मावे का रंग नहीं बदलता। (आयोडीन टिंचर आपको मेडिकल स्टोर से आसानी से मिल सकता है।)

गर्म करने पर बदलता है नकली मावे का रंग

थोड़ा सा मावा लेकर उसे गर्म करें। असली मावा गर्म करने पर हल्का ब्राउन होने लगता है और उसमें से देसी घी जैसी खुशबू आती है। वहीं, नकली मावा ज्यादा जल्दी जल जाता है

पानी में डालकर करें जांच

एक गिलास पानी लें और उसमें मावा का छोटा टुकड़ा डालें। अगर मावा पानी में घुलने लगे, तो उसमें मिलावट है। असली मावा पानी में नहीं घुलता, बल्कि टुकड़ों में टूटकर नीचे बैठ जाता है।

मिलावटी मिठाइयों से कैसे बचें?

बाजार की मिठाइयों की बजाय घर पर बनी मिठाइयों को प्राथमिकता दें।

घर के आर्थिक मामलों की भी एक्सपर्ट बन सकती हैं महिलाएं

जब भी पैसों के लेन-देन या निवेश की बात चलती है, महिलाएं इस जिम्मेदारी को झटपट घर के पुरुषों को सुपुर्द कर देना चाहती हैं। ज्यादातर महिलाएं खुद पैसों के मामलों को संभालना पसंद नहीं करती हैं। यही वजह है कि भारतीय घरों में वित्तीय मामलों की कमान मुख्य रूप से पुरुषों के हाथों में होती है। आमतौर पर महिलाओं को खर्चीली और पैसे के हिसाब-किताब के बारे में कम जानकार माना जाता है। इसके विपरीत यदि आप अपने आसपास नजर डालें तो महिलाएं कम पैसों में ही घर के बजट को बहुत अच्छे से चला लेती हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि महिलाएं पैसों की सही जानकारी रखें, तो वे आसानी से सिर्फ रसोई और घर के कामकाज की नहीं बल्कि घर के आर्थिक मामलों की भी एक्सपर्ट बन सकती हैं।

आर्थिक मामलों में क्यों हैं हम पीछे?

भारतीय रिबैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के बैंक खातों में पुरुषों की तुलना में ज्यादा पैसे बेकार पड़े रहते हैं। सिर्फ 7 प्रतिशत महिलाएं ही अपनी बचत का प्रबंधन कर पाती हैं। एक बीमा कंपनी में वित्तीय निवेश सलाहकार प्राची सहाय बताती हैं, 'मुख्य रूप से आय में अंतर, घर के दूसरे जरूरी कार्यों की जिम्मेदारियां, सामाजिक परिवेश के प्रभाव में खुद को कमतर समझना, कर्ज लेने से डरना आदि जैसे कई कारक महिलाओं को घर के वित्तीय मुद्दों को अपने हाथ में लेने से रोक देते हैं। इसके अलावा कुछ मामलों में पिता,पति या साथी भी उन्हें घर की वित्तीय जरूरतों और संरचना को समझने या इस काम में उनकी मदद नहीं करना चाहते हैं।' कैसे घर के आर्थिक मामलों की कमान भी अपने हाथों में लें।

बढ़ाएं अपनी जानकारी का दायरा

अगर आर्थिक मामलों और पैसों के मैनेजमेंट की ओर आपकी रुचि है, तो सबसे पहले आपको घर के कामकाज से फुर्सत निकालकर पैसे और उसके मैनेजमेंट के बारे में पढ़ना और सीखना होगा। पैसे का प्रबंधन करना पहली बार में मुश्किल लग सकता है। पर, यदि सही दृष्टिकोण के साथ इस पर लगातार काम किया जाए, तो यह अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। घर की जरूरतों के हिसाब से छोटे-छोटे निवेश करना शुरू करें। यदि पैसों के मैनजमेंट संबंधी कोई बात समझ नहीं आ रही है, तो किसी विशेषज्ञ से इस संबंध में सवाल पूछें।

बजट बनाना है सबसे जरूरी

आपको घर के किस मद में कितना खर्च करना है, यह विचार कर बजट बनाना सबसे अधिक जरूरी है। खुद को वित्त की बारीकियों से शिक्षित करने के बाद बजट बनाकर चलने से महिलाओं को अपने वित्त पर नियंत्रण रखने में बहुत मदद मिल जाती है। इसमें आय और व्यय पर नियंत्रण रखना शामिल है। इससे यह सुनिश्चित करने में आसानी होगी कि खर्च वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप हो। एक प्रभावी बजट बनाने के लिए सबसे पहले अपनी मासिक आय की गणना करें। इसके बाद अपने खर्चों की एक सूची बनाएं। इससे उन क्षेत्रों की पहचान की जा सकेगी, जहां कम खर्च में काम चल सकता है। बचत सबसे अधिक जरूरी है। अपनी मासिक आय के कम से कम 20-30 प्रतिशत हिस्से को बचत के रूप में रखने की कोशिश करें। हर हाल में महिलाओं को आपातकालीन कोष के महत्व को समझना होगा। यह आपको अप्रत्याशित वित्तीय संकटों, जैसे चिकित्सा व्यय, किसी प्रकार की दुर्घटना, घर के किसी भी मशीनरी की मरम्मत या नौकरी छूटने पर मदद कर सकता है। बचत स्वरूप जिन पैसों को रखा जाता है, उनमें से कुछ पैसों को आपातकालीन कोष में डाला जा सकता है।

बच्चे से जरूर कराएं यह काम भविष्य में सफलता के लिए हैं बहुत जरूरी

बच्चा बड़ा हो कर जिम्मेदार और आत्मनिर्भर इंसान बने, इसके लिए पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ उसे घर के कुछ काम सिखाना भी जरूरी है। बच्चों की उम्र के हिसाब से अगर उन्हें थोड़ी-थोड़ी जिम्मेदारियां सौंपी जाएं तो धीरे-धीरे वो खुद की और परिवार की जिम्मेदारियों को समझने लगते हैं और इससे उनकी सोशल स्किल्स भी मजबूत होती हैं। यही वजह है कि बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए उसके डेली रूटीन को इस प्रकार सेट करना चाहिए जिसमें पढ़ाई-लिखाई, खेलकूद के साथ-साथ घर के छोटे-मोटे कामों को इंवॉल्व किया जा सके। खासतौर से अगर आपके बच्चे की उम्र 12 साल या उससे ऊपर है, तो ये सही समय है जब आप उसे कुछ काम और जिम्मेदारियां सौंपे। यहां कुछ ऐसे काम बताए गए हैं, जो 12 साल की उम्र के बच्चे के लिए बिल्कुल ठीक रहेंगे और उसे एक आत्मनिर्भर और कॉन्फिडेंट इंसान बनने में मदद करेंगे।

अपना काम खुद करने के लिए करें मोटिवेट

अगर आप अपने बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तो आपका सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि उन्हें अपना काम खुद करने के लिए मोटिवेट करें। स्कूल का होमवर्क करना हो या स्कूल से जुड़े छोटे-मोटे डिसीजन लेना, इन सभी कामों को उन्हें स्वयं करने के लिए मोटिवेट करें। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वो डिसीजन मेकिंग भी सीखेगें। हालांकि जब बच्चा अपना काम खुद कर रहा हो तब आप उस पर अपनी नजर बनाकर जरूर रखें, जिससे जरूरत पड़ने पर आप उसे गाइड कर सकें।

अपने रूम की सफाई उन्हें खुद करने दें

ज्यादातर घरों में माएं बच्चों के रूम की साफ-सफाई का काम खुद ही कर लेती हैं। लेकिन अगर आपका बच्चा 12 साल का हो गया है, तो आप उसे अपना कमरा खुद साफ करने के लिए

कह सकती हैं। इसके अलावा बच्चों को कमरे में हर चीज सही जगह पर रखने की भी हिदायत दें। जब आप छोटी उम्र से ही साफ-सफाई का काम बच्चे से करवाएंगी, तो आपके बच्चे के अंदर व्यवस्थित रहने की आदत डेवलप होगी। साथ ही वो अपने छोटे-मोटे कामों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहेंगे। बच्चों की उम्र यदि 12 साल से ऊपर हो गई है तो उन्हें उनके कपड़ों की देखभाल और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपे। कपड़ों की साफ-सफाई हो या प्रेस करना हो इन सबकी जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। इससे बच्चों को बेसिक स्किल्स भी आएंगी, वो आत्मनिर्भर भी बनेंगे और कहीं ना कहीं उनके अंदर घर के कामों को ले कर एक हीन भावना या किसी तरह का भेदभाव नहीं रहेगा।

सिखाएं किचन का काम

बेटा हो या बेटी, हर बच्चे को किचन का काम आना जरूरी है। खाना हमारी बेसिक जरूरत है और इसके लिए हमेशा दूसरों पर डिपेंडेंट होना बिल्कुल भी ठीक नहीं है। कभी पढ़ाई या नौकरी के लिए बच्चों को आपसे दूर रहना पड़े या मजबूरी में खाना बनाना पड़े, तो उसके लिए उसे बचपन से ही तैयार करना जरूरी है। 12 साल की उम्र में बच्चा इतना समझदार हो जाता है कि उसे किचन का छोटा-मोटा काम सिखाया जा सके। ऐसे में आप उसे बेसिक किचन के काम सिखा सकती हैं।

मंगवाए घर का छोटा-मोटा सामान

अगर आप अपने बच्चों के अंदर मनी मैनेजमेंट की स्किल डेवलप करना चाहती हैं, तो छोटी उम्र से ही उन्हें ग्रॉसरी शॉपिंग में इन्वॉल्व करें। इसके लिए आप अपने बच्चों से घर के छोटे-मोटे सामान की खरीदारी करा सकती हैं या घर के खर्चों का हिसाब लगाने के लिए कह सकते हैं। इन सब चीजों से ना सिर्फ बच्चे पैसे का मैनेजमेंट सीखेंगे बल्कि बाहरी दुनिया से उनकी झिझक भी खत्म होगी।

कैसे बनाएं बिरयानी

भारत के विश्वसनीय किचन अप्लायंसेस ब्रांड टीटीके प्रेस्टीज ने एक खास बिरयानी मास्टरक्लास का आयोजन किया। शीज गॉट डम' बिरयानी मास्टरक्लास में शेफ नताशा गांधी ने प्रतिभागियों को बिरयानी बनाने की कला सिखाई। मुंबई के गोरेगांव में प्रेस्टीज एक्सक्लूसिव स्टोर में हुए इस आयोजन में प्रतिभागी बिरयानी बनाने के शानदार अनुभव में शामिल हुए और प्रेस्टीज के अत्याधुनिक किचन अप्लायंसेस की दक्षता और नवीनता से परिचित हुए। इस मास्टरक्लास में 100 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं, जहां उन्होंने न केवल परफेक्ट बिरयानी बनाने के रहस्य सीखे, बल्कि यह भी जाना कि कैसे टीटीके प्रेस्टीज अप्लायंसेस कुकिंग को तेज, आसान और स्वास्थ्यवर्धक बनाते हैं।

इस अवसर पर टीटीके प्रेस्टीज के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अनिल गुरनानी ने कहा, प्रेस्टीज में, हम घरेलू शेफ और खाना पकाने के प्रति उनके जुनून का जश्न मनाने में गर्व महसूस करते हैं। शेफ नताशा गांधी ने कहा, बिरयानी एक ऐसा व्यंजन है जो लोगों को जोड़ता है। मेरे लिए बहुत खुशी की बात थी कि इसके प्रति अपने प्यार को सभी के साथ साझा किया और यह दिखाना भी शानदार रहा कि कैसे आधुनिक किचन अप्लायंसेस से, प्रामाणिकता से समझौता किए बिना खाना पकाना आसान हो सकता है।

कोटा में होली पर डीजे बैन, हॉस्टल-पीजी की छत पर एंट्री बंद; पुष्कर के फेस्टिवल में थिरके विदेशी पर्यटक, किरोड़ीलाल मीणा भी नाचे

जयपुर। राजस्थान में होली की धूम शुरू हो चुकी है। प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिरों में फागोत्सव चल रहा है। कोटा में स्टूडेंट और जोधपुर शहर के लोगों को होली पर कुछ नियमों का पालन करना होगा। कोटा पुलिस ने धुलंडी से पहले कोचिंग स्टूडेंट के लिए एक आदेश जारी कर डीजे साउंड पर बैन लगा दिया है। वहीं, पुष्कर में होने वाले इंटरनेशनल होली फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकी है। मंगलवार की रात वराह घाट चौक पर हुए आयोजन में देसी-विदेशी पर्यटक और स्थानीय लोग ढोल-चंग की थाप पर थिरके। यहां विदेशी युवतियां ढोल की थाप पर डांस करते हुए नजर आईं। इधर, होली से पहले सवाई माधोपुर में हुई श्याम भजन संध्या में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा झूमते हुए नजर आए। भजनों पर किरोड़ी मीणा ने जमकर डांस किया।

कोटा पुलिस ने जारी की कोचिंग स्टूडेंट के लिए गाइड लाइन -कोटा शहर पुलिस ने

कोचिंग स्टूडेंट के लिए होली के त्योहार पर निकली गाइडलाइन हॉस्टल संचालक, पीजी, मैस, रेस्टोरेंट में नहीं बजा सकेंगे। न डीजे साउंड सिस्टम बजेगा और न ही स्टूडेंट्स हॉस्टल्स की छत पर जाएंगे। वहीं किसी भी तरह की शराब पार्टी, मादक पदार्थ, नशीले पदार्थ का सेवन नशा करते हुए छात्र-छात्राएं मिले तो उसकी जिम्मेदारी हॉस्टल और पीजी में संचालक की होगी।

पुष्कर में ढोल की थाप पर विदेशी युवतियों ने किया डांस-पुष्कर में अंतर्राष्ट्रीय होली महोत्सव की शुरुआत हो गई है। वराह घाट चौक पर मंगलवार रात को पारंपरिक आयोजन में देसी-विदेशी पर्यटक और स्थानीय लोग ढोल-चंग की थाप पर खूब नाचे। पिछले 11 वर्षों से पुष्कर का होली फेस्टिवल दुनियाभर में सेलिब्रेशन स्पॉट के रूप में जाना जाता है। 11 मार्च से शुरू हुआ यह महोत्सव 14 मार्च को डीजे पार्टी के साथ समाप्त होगा। इस दौरान करीब 40 हजार पर्यटकों के आने की उम्मीद है। इनमें 2000 से अधिक विदेशी पर्यटक भी शामिल होंगे। पुष्कर में 100 वर्षों से अधिक समय से पारंपरिक होली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पुष्कर के उपखंड अधिकारी गौरव मित्तल ने बताया कि अब तक करीब 40 होटल और रिसोर्ट से होली के आयोजन को लेकर अनुमति मांगी गई है। ये रिसोर्ट सैलानियों के लिए सांस्कृतिक और मॉडर्न इवेंट्स कर होली महोत्सव को और खास बना रहे हैं।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने किया डांस -कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने मंगलवार को सवाई माधोपुर में श्याम भजन संध्या में जमकर डांस किया। लोगों के साथ भजनों पर डांस करते हुए मीणा ने आयोजन का भरपूर आनंद लिया। दरअसल, सवाई माधोपुर के खाटू श्याम मंदिर में मंगलवार रात भव्य श्याम भजन संध्या का आयोजन किया गया था।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड की सौंपी ट्राफी

जयपुर, 12 मार्च। पेसिफिक एशिया ट्रैवल राइटर्स एसोसिएशन ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी को इसी महीने गुरुवार को मिले वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया की ट्राफी बुधवार को शासन सचिव श्री रवि जैन ने सौंपी। उल्लेखनीय है कि यह सम्मान आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सेशेल्स के पूर्व पर्यटन मंत्री, डॉ. एलन सेंटएन्ज द्वारा दिया गया। जिसे उप मुख्यमंत्री की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारी, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया था। राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्कर्ष कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा देश और दुनिया के विभिन्न पर्यटन मंचों पर राजस्थान के पर्यटन की ब्रांडिंग की जा रही है। इसी के तहत पेसिफिक एरिया ट्रैवल राइटर्स संगठन (पटवा) ने राजस्थान को यह सम्मान प्रदान किया हैं।

नेता प्रतिपक्ष जूली बोले-माधुरी सेकेंड ग्रेड की हीरोइन

खाटूश्यामजी-गोविंददेवजी के लिए 100 करोड़ नहीं दिए गए, IIFA के लिए फाइल को बुलेट ट्रेन की तरह चलाया

जयपुर। विधानसभा में एप्रोप्रिएशन बिल पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- IIFA पर आपने 100 करोड़ से ज्यादा खर्च कर दिए, लेकिन आपसे खाटूश्याम जी और गोविंददेव जी के लिए 100 करोड़ नहीं दिए गए। लेकिन आईफा के लिए फाइल को बुलेट ट्रेन की तरह चलाया। जूली ने कहा- IIFA में आपने राजस्थान का प्रमोशन किया या आयोजन का। सात लाख रुपए के गोल्डन पास आपने जनता की गाढ़ी कमाई पर बांटे, ये पास मंत्रियों तक को नहीं मिले। विपक्ष का नाम तो छोड़ ही दीजिए।

जूली ने कहा- इस आयोजन में कोई भी फर्स्ट ग्रेड का एक्टर नहीं आया, केवल सेकेंड ग्रेड वाले एक्टर आए। फर्स्ट ग्रेड एक्टर में सिर्फ शाहरुख खान थे। इस बीच किसी ने माधुरी का नाम लिया तो जूली ने कहा- आजकल माधुरी दीक्षित भी सेकेंड ग्रेड में ही है। उनका समय गया। जूली ने कहा- आईफा के पोस्टर में फोटो किसकी थी और तवज्जो किसको मिली यह तो सब जानते हैं।

कुंभ में हमें क्यों नहीं लेकर

गए आपने विपक्ष को अपना नहीं समझा-नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- मेरा सदन के नेता से एतराज है। प्रयागराज कुंभ में आप लोग गए, लेकिन आपने विपक्ष को अपना नहीं समझा। हमें क्यों नहीं लेकर गए? कुंभ स्नान को लेकर हमने तो उस वक्त भी कहा था कि पहले आप पाप धो लीजिए, हमने तो ऐसे पाप किए नहीं है।

शिक्षा मंत्री को उर्दू से सख्त नफरत, दिलावर शब्द की उत्पत्ति अरबी मूल के फारसी शब्द से हुई-जूली ने कहा- हमारे शिक्षा मंत्री तो अंग्रेजी स्कूल बंद करने में लगे हुए हैं। इन्हें उर्दू शब्द से तो इतनी चिढ़ है कि पूछो मत। मैंने जब पता करवाया कि दिलावर शब्द की उत्पत्ति कहां से हुई, तो पता लगा कि यह अरबी मूल का फारसी शब्द है। हो सकता है अब आपको इसके लिए भी कमेटी बैठानी पड़ जाए।

इन्वेस्टर समित में सोनू निगम को बुलाया, आईफा में नहीं बुलाया-नेता प्रतिपक्ष ने कहा- सोनू निगम को भी बुलाना चाहिए था। एक महीने में ऐसा क्या हो गया? इन्वेस्टर समिट में उसे बुलाया, आईफा में नहीं बुलाया। यदि किसी ने कोई सुझाव दिया या नहीं बनी तो उसे रोक दिया गया। ऐसा नहीं करना चाहिए था। गौरतलब है कि सोनू निगम ने एक दिन पहले सोशल मीडिया पर आईफा को लेकर सवाल उठाए थे।

आपकी सरकार में हर राजस्थानी पर 1 लाख रुपए का कर्ज हो चुका-जूली ने कहा- महिला वित्त मंत्री होते हुए भी हमारी सरकार की स्मार्टफोन योजना को आपने बंद कर दिया। महिलाओं को स्मार्टफोन दिए जाने थे। एक रिसर्च रिपोर्ट है कि इंटरनेट यूजर बढ़ाने पर जीडीपी बढ़ती है। आपकी सरकार के वक्त में हर राजस्थानी पर एक लाख रुपए का कर्ज हो चुका है।

सीएम हाउस के दरवाजे गरीबों के लिए बंद, केवल खास लोगों के लिए खुले हैं - नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा- मुख्यमंत्री जी इन मीठे बोलने वालों से सावधान रहिए। आपने मुख्यमंत्री निवास के दरवाजे तो गरीबों के लिए बंद ही कर दिए। आम जनता के लिए मुख्यमंत्री निवास के दरवाजे बंद है और खास लोगों के लिए खुले हैं।

जयपुर में रेलवे स्टेशनों-बस स्टैंड पर भारी-भीड़

स्पेशल ट्रेनें और अस्थायी कोच लगने के बाद भी असुविधा, आरपीएफ ने बढ़ाई सुरक्षा

जयपुर। होली के त्योहार पर जयपुर से अपने घर जाने के लिए यात्रियों की भीड़ रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड पर लगातार बढ़ रही है। जयपुर जंक्शन, दुर्गापुरा, गांधी नगर, जगतपुरा और खातीपुरा रेलवे स्टेशनों पर यात्री ट्रेनों में सवार होने के लिए जुटे हैं। उधर, जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड समेत अन्य बस स्टैंड पर भी भारी भीड़ देखने को मिल रही है। बसों में सीट पाने के लिए यात्रियों की लंबी कतारें लगी हैं। त्योहारी भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके अलावा, कुछ ट्रेनों में अस्थाई तौर पर कोच भी बढ़ाए गए हैं, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सीटें मिल सकें। इसके बावजूद ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी होती जा रही है और कई यात्री कन्फर्म टिकट नहीं मिलने के कारण जनरल कोच में सफर करने को मजबूर हैं।

स्टेशन और बस स्टैंड पर सुरक्षा बढ़ाई, फिर भी अव्यवस्था -भीड़ को देखते हुए

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने जंक्शन और अन्य प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिसकर्मियों को भी स्टेशन परिसर में गश्त के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह, सिंधी कैंप बस स्टैंड पर भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। लेकिन यात्रियों की संख्या इतनी ज्यादा है कि अव्यवस्था बनी हुई है।

बसों की संख्या बढ़ी, लेकिन भीड़ के आगे नाकाफी -रेलवे की तरह ही बस स्टैंड पर भी यात्रियों का दबाव बढ़ गया है। जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर लंबी दूरी की बसों में चढ़ने के लिए लोग एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। होली के मद्देनजर रोडवेज और प्राइवेट ऑपरेटर्स की ओर से अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं, लेकिन वे भी यात्रियों की संख्या के आगे कम पड़ रही हैं। कई बसें फुल हो जाने के कारण यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

यात्रियों का कहना है कि हर साल होली पर ट्रेनों और बसों में भीड़ होती है, लेकिन इस बार स्थिति ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गई है। ट्रेनों में जगह न मिलने पर कई लोगों ने बसों का रुख किया, लेकिन वहां भी सीट मिलना मुश्किल हो गया। कुछ यात्री निजी टैक्सी और अन्य साधनों से सफर करने को मजबूर हो रहे हैं।

पशुपालन विभाग द्वारा उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

जयपुर, 12 मार्च। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने कहा कि आज की परिस्थिति में जूनोटिक रोग सार्वजनिक स्वास्थ्य की जोखिम की स्थिति को दर्शाते हैं, इसलिए इसकी पहचान करना बहुत आवश्यक है। डॉ सेजरा आज पशुपालन विभाग द्वारा राजस्थान राज्य पशुधन प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान, जामडोली में एस्केड योजना के तहत उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

डॉ सेजरा ने कहा कि इन रोगों के बारे में आम जन को भी जागरूक करना आवश्यक है। यह जागरूकता रोग की शुरूआती पहचान, रोकथाम और नियंत्रण में सहायक है, जिससे अंततः सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है। जूनोटिक और गैर जूनोटिक रोगों के बीच में अंतर के बारे में

जनता को शिक्षित करने से अनावश्यक भय को दूर करने में सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि उभरते जूनोटिक रोगों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वन हेल्थ महत्वपूर्ण है। वन हेल्थ का उद्देश्य मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य, मिट्टी, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र जैसे विभिन्न विषयों के ज्ञान को कई स्तरों पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है जो सभी प्रजातियों के स्वास्थ्य में सुधार, रक्षा और बचाव के लिए जरूरी है।

उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी जानकारियों को रिफ्रेश करना जरूरी होता है। हमारे सामने किस तरह की नई बीमारियां आ रही हैं किस तरह की चुनौतियां आ रही हैं और उनसे निपटने के लिए हमें क्या करना चाहिए इन सब मुद्दों पर बात करना आवश्यक है। फील्ड में काम कर रहे डॉक्टर्स भी अपनी बात साझा करें अपनी समस्याएं बताएं जिससे अच्छी योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने डॉक्टर्स का आह्वान किया कि आप जो भी जानकारी यहां से लेकर जाएं उसे अपने तक ही सीमित न रखें बल्कि लोगों तक पहुचाएं। उन्होंने प्रतिभागियों को कहा कि अपने प्रोफेशन के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करते हुए हमें अधिक से अधिक पशओं और पशुपालकों के हित में काम करना है। इस अवसर पर विभाग के वित्तीय सलाहकार श्री मनोज शांडिल्य ने प्रतिभागियों से अपील की कि हमें अपने सभी अभावों और कमियों के बीच से रास्ता निकालते हुए सामने आने वाली चुनौतियों से निपटना है और अपने काम के साथ साथ विभाग को भी उन्नति की ओर लेकर जाना है।

इस एक दिवसीय सेमिनार में पशुओं के बीच उभरती बीमारियां, वन हेल्थ = समय की जरूरत, रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) एवियन इन्फ्लूएंजा की रोकथाम आदि विषयों पर विशेषज्ञों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सेमिनार का संचालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ हेमंत पंत ने किया। सेमिनार के उद्देश्य पर संयुक्त निदेशक डॉ तपेश माथुर ने प्रकाश डाला। सेमिनार में विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ दिनेश राणा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और डॉक्टर्स उपस्थित थे।

मेहंदीपुर बालाजी में होली महोत्सव

केसरिया पताका लेकर जयकारे लगाते हुए पहुंच रहे पैदल यात्रियों के जत्थे, ढोल-नगाडों की गूंज

दौसा। आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी में चल रहे होली महोत्सव में श्रद्धालु बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को कई राज्यों से आए पैदल यात्रियों के जत्थे हाथों में केसरिया पताका लेकर जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने मंदिर पर ध्वजा

अर्पित कर स्वयंभू बालाजी महाराज, भैरवबाबा, प्रेतराज सरकार, सीताराम दरबार, राधा-कृष्ण विग्रह और समाधी वाले बाबा के दर्शन कर खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया।

यहां होली महोत्सव पर लगातार पहुंच रहे दर्शनार्थियों के चलते अलग तरह की रंगत बनी हुई है। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते-गाते मंदिर पहुंचकर अपने आराध्य बालाजी दरबार के साथ रंग-गुलाल उड़ाकर होली के उल्लास में सराबोर नजर आ रहे हैं। मंदिर के सामने उड़ती पचरंगी गुलाल का नजारा देखकर हर कोई शख्स टकटकी लगा बैठता है। महोत्सव को लेकर सिद्धपीठ के महंत डॉ. नरेशपुरी महाराज के सान्निध्य में व्यवस्थाओं के बंदोबस्त किए गए हैं।

जयपुर-गौर पूर्णिमा पर गुप्त वृन्दावन धाम में विशेष तैयारी

श्री कृष्ण-बलराम भक्तों संग खेलेंगे फूलों की होली, 108 कलशों से होगा अभिषेक

जयपुर। जयपुर के गुप्त वृन्दावन धाम में गौर पूर्णिमा का पर्व 14 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन कृष्ण-बलराम भक्तों के साथ फूलों की होली खेलेंगे। मंदिर में कृष्ण बलराम का दिव्य अलौकिक

पोशाक और फूल बंगले के साथ भव्य श्रृंगार किया जाएगा। गौर पूर्णिमा गौडीय वैष्णव सम्प्रदाय के नए वर्ष का शुभारंभ है। यह दिन श्री चैतन्य महाप्रभु के आविर्भाव का पर्व भी है। श्री चैतन्य महाप्रभु को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है। कार्यक्रम में गौर निताई की सुंदर पालकी के साथ भक्त हरिनाम संकीर्तन करेंगे। गौर निताई का पंचगव्य और विभिन्न फलों के रस से अभिषेक होगा। साथ ही 108 कलशों के पवित्र जल से भी अभिषेक किया जाएगा। भगवान को 56 भोग भी लगाया जाएगा। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु को उनके सुनहरे रंग के कारण गौरांग महाप्रभु भी कहा जाता है। होली का त्योहार भगवान कृष्ण और राधारानी से जुड़ा है। माना जाता है कि श्री कृष्ण ने ग्वालों के साथ होली खेलने की परंपरा शुरू की थी।

अध्यक्ष राजस्थान राज्य भण्ड़ार व्यवस्था निगम ने किया भण्ड़ारगृहों का निरीक्षण, राज्य में 97 स्थानों पर निगम के भण्ड़ारगृह कार्यरत

जयपुर, 12 मार्च। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य भण्ड़ार व्यवस्था निगम श्री राजन विशाल ने राज्य भण्ड़ारगृह, 22 गोदाम जयपुर, राज्य भण्ड़ारगृह और केन्द्रीय भण्ड़ारण निगम चौमू का निरीक्षण कर भण्ड़ारगृहों की व्यवस्थाओं व रख-रखाव का जायजा लिया।

शासन सचिव ने निरीक्षण के दौरान भण्ड़ारगृहों के सुचारू संचालन के लिए निगम अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने गोदामों में जमा खाद्यान्न एवं अन्य जिन्सों की सुरक्षा हेतु लगे सीसीटीवी कैमरा द्वारा की जा रही मॉनिटरिंग और ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने गोदामों में आवश्यक मरम्मत कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने, भण्ड़ारगृहों की उपयोगिता बढ़ाने और इनकी भण्ड़ारगृहों की साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये।

श्री राजन विशाल ने केन्द्रीय भण्ड़ारगृह चौमू में पौधारोपण कर भण्ड़ारगृह के कार्मिकों को पर्यावरण हित में अधिक से अधिक

पौधे लगाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि किसानों द्वारा अपनी कृषि उपज सरसों, सोयाबीन, गेहूं, ग्वार, धनियां, जीरा, मैथी, अलसी, तारामीरा, तिल, ईसबगोल निगम के भण्ड़ारगृहों में जमा कराने पर उसके बाजारी मूल्य की 75 प्रतिशत राशि तक का बैंकों द्वारा ऋण दिए जाने का प्रावधान है।

उल्लेखनीय है कि भण्ड़ारगृहों पर खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, मसालें, खाद, बीज, कपास, सीमेन्ट, कागज, कॉपर, एल्यूमीनीयम, लोहा व औद्योगिक उत्पादों का वैज्ञानिक भण्ड़ारण किया जाता है। भण्ड़ारगृहों पर स्टॉक जमा कराने पर सहकारी संस्थाओं को 10 प्रतिशत, सामान्य श्रेणी के किसानों को 60 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के किसानों को 70 प्रतिशत संग्रहण शुल्क में छूट भी प्रदान की जाती है। निगम द्वारा अपने समस्त केन्द्रों पर कम्प्यूटराइजेशन किया जा चुका है किसानों व व्यापारियों को विपणन की आधुनिकतम सुविधाऐं उपलब्ध होगी। राज्य में कुल 39 जिलों में 97 स्थानों पर निगम के भण्ड़ारगृह कार्यरत है, जिनकी भण्ड़ारण क्षमता 17.20 लाख मेट्रिक टन है। इस दौरान भण्ड़ार निगम के संयुक्त निदेशक (प्रशासन) श्री गोपाल दास, संयुक्त निदेशक विकास श्री मदन लाल तेली, सहायक निदेशक व्यापार श्री ज्ञानेन्द्र पालीवाल सहित निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम हैरिटेज ने 12 बिल्डिंगों को किया सीज

7 कॉमर्शियल और 5 रेजिडेंशियल भवन शामिल, नियमों के खिलाफ करवाया जा रहा था निर्माण

जयपुर। जयपुर नगर निगम हेरिटेज ने अवैध निर्माण के खिलाफ बुधवार को बड़ी कार्रवाई कर 12 अवैध निर्माणाधीन बिल्डिंगों को सीज कर दिया। नगर निगम हेरिटेज डिप्टी कमिश्नर युगांतर शर्मा ने बताया- सभी निर्माण नियमों के विपरीत हो रहे थे। जिन्हें निगम द्वारा पूर्व में भी नोटिस दिए गए थे। नोटिस का जवाब नहीं देने पर आज सीज की कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। बता दें कि निगम द्वारा की गई इस कार्रवाई में बीजेपी से पार्षद घनश्याम चंदलानी की अवैध बिल्डिंग को भी सीज किया गया है। जिसको लेकर बीजेपी के आला नेताओं तक शिकायत की गई थी। नगर निगम हेरिटेज आदर्श नगर जोन की डिप्टी कमिश्नर युगांतर शर्मा ने बताया- इस आदर्श नगर जोन में आज निगम द्वारा कर नियमों के विपरीत किए जा रहे 12

निर्माणाधीन बिल्डिंगों को सीज किया गया है। इनमें से 7 कॉमर्शियल और 5 रेजिडेंशियल भवन शामिल हैं। शर्मा ने बताया- सभी निर्माण करने वालों को नगर निगम द्वारा पूर्व में नोटिस देकर अवैध निर्माण को रोकने के लिए कहा गया था। बावजूद इसके चारों निर्माणकर्ताओं ने निगम के नोटिस को दरकिनार करके अवैध निर्माण जारी रखा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindtanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।